मार्गशीर्ष शुक्ल - 9 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 136 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 10-12-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस का हाथ देश विरोधी ताकतों के साथ : भाजपा

6 मानवता के लिए सार्थक बने मानवाधिकार दिवस

7 'आप कजा करने आएंगे तो हम क्या बैठकर लॉलीपाप खाते रहेंगे' : ममता

फर्स्ट टेक

हवा मे टकराए तुर्किये सेना के दो हेलीकॉप्टर , छह सैन्यकर्मियों की मौत

अंकारा/एजेन्सी। तुर्किये के दो सैन्य हेलीकॉप्टर सोमवार को हवा में टकरा गए, जिससे उनमें से एक हेलीकॉप्टर में सवार छह सैन्यकर्मियों की मौत हो गई, जबकि दूसरे हेलीकॉप्टर को सुरक्षित उतार लिया गया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि पांच पीड़ितों की दुर्घटना स्थल पर ही मौत हो गई, जबकि छठे व्यक्ति की अस्पताल में मौत हुई। क्षेत्रीय गवर्नर ने बताया कि यह दुर्घटना नियमित प्रशिक्षण उड़ानों के दौरान दक्षिण-पश्चिमी प्रांत इस्पार्टा में हुई।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

विचार की हत्या

सबको ही कहने का हक है,
अब मौलिक अधिकार से।
पर सच कहना बहुत कठिन है,
वैचारिक आधार से।
तर्कहीन बस हमला करते,
गाली या हथियार से।
हत्या भी वे ही करते जो,
लड़ ना सके विचार से।।

राजनीति में हो युवाओं की भागीदारी

इसे वंशवाद में यकीन रखने वालों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि युवाओं को राजनीति में लाने के प्रयास किए जा रहे हैं क्योंकि इसे उन सबके भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता जो केवल वंशवाद की राजनीति में विश्वास करते हैं और इसे पारिवारिक संपत्ति मानते हैं।

साणंद शहर के पास लेखंबा गांव में रामकृष्ण मठ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस उद्देश्य की दिशा में ''एक नई शुरुआत'' करने के लिए स्वामी विवेकानंद की जयंती पर दिल्ली में युवा नेताओं का संवाद आयोजित किया जाएगा।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन के संस्थापक आध्यात्मिक नेता स्वामी विवेकानंद का मानना था कि राष्ट्र के विकास के लिए युवाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ यह भी जरूरी है कि हमारे युवा राजनीति में भी देश का नेतृत्व करें, क्योंकि हम इसे उन लोगों के हाथों में नहीं छोड़ सकते जो केवल वंशवाद की राजनीति में विश्वास करते हैं। हम राजनीति को उन सबके हाथों में नहीं सौंप सकते जो राजनीति को अपने परिवार की संपत्ति मानते हैं।''

मोदी ने कहा, ''इसलिए हम एक नई शुरुआत करने जा रहे हैं। स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर हम दिल्ली में युवा नेता संवाद का आयोजन कर रहे हैं। इसमें 2,000 चयनित युवा व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहेंगे, जबकि करोड़ों युवा प्रौद्योगिकी की मदद से इस कार्यक्रम से जुड़ेंगे।''

राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा होंगे आरबीआई के नए गवर्नर

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का 26वां गवर्नर नियुक्त किया। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने मल्होत्रा के नाम को मंजूरी दे दी है। उन्हें 11 दिसंबर से तीन साल के लिए आरबीआई गवर्नर नियुक्त किया गया है। राजस्थान कैडर के 1990 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी मल्होत्रा, शक्तिकान्त दास की जगह लेंगे। दास का कार्यकाल मंगलवार यानी 10 दिसंबर, 2024 को समाप्त हो रहा है।

विदेश सचिव स्तरीय बैठक:

भारत ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले को लेकर चिंता जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/भाषा। भारत ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले की 'खेदजनक घटनाओं' का मुद्दा विदेश सचिव स्तर की बैठक के दौरान सोमवार को उठाया, लेकिन ढाका ने इसे 'भ्रामक और गलत जानकारी' करार देते हुए कहा कि किसी भी देश को उसके आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अपने बांग्लादेशी समकक्ष मोहम्मद जशीमुद्दीन के साथ यह बैठक की।

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने अपने समकक्ष मोहम्मद जशीमुद्दीन के साथ बैठक के दौरान अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और कल्याण सहित भारत की चिंताओं से अवगत कराया।

उन्होंने कहा, ''हमने सांस्कृतिक, धार्मिक और राजनयिक संपत्तियों पर हमलों की कुछ खेदजनक घटनाओं पर भी चर्चा की। हम कुल मिलाकर, बांग्लादेश के अधिकारियों द्वारा इन सभी मुद्दों पर एक रचनात्मक दृष्टिकोण की उम्मीद करते हैं। हम संबंधों को सकारात्मक, दूरदर्शी और रचनात्मक दिशा में आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं।''

हमने सीरिया में संदिग्ध रासायनिक हथियार ठिकानों पर हमला कर उन्हें नष्ट किया : इजराइल

यरूशलम/एजेन्सी। इजराइल के विदेश मंत्री ने सोमवार को कहा कि इजराइली बलों ने सीरिया में संदिग्ध रासायनिक हथियार ठिकानों और लंबी दूरी के रॉकेटों पर हमला कर उन्हें नष्ट कर दिया है ताकि ये शत्रुओं के हाथ न लग सकें। विदेश मंत्री गिडिअन सार ने कहा, ''हमारा एकमात्र हित इजराइल और उसके नागरिकों की सुरक्षा है।'' उन्होंने कहा कि इजराइली बलों ने इन हथियारों को हमला कर नष्ट कर दिया ताकि ये चरमपंथियों के हाथ न लग सकें। सार ने यह बात सीरियाई विद्रोहियों द्वारा सप्ताहांत में दमिश्क पहुंचने और लगभग 14 वर्षों के गृहयुद्ध के बाद राष्ट्रपति बशर असद की सरकार के तख्तापलट के बाद कही है।

रूस ने असद को राजनीतिक शरण दी

मास्को/एपी। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने सोमवार को कहा कि रूस ने सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर असद को राजनीतिक शरण दी है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने बताया कि रूस के राष्ट्रपति ने असद को शरण देने का निर्णय लिया।

रूस निर्मित आईएनएस तुशिल भारतीय नौसेना में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय नौसेना के लिए रूस निर्मित युद्धपोत आईएनएस तुशिल का सोमवार को रूस के तटीय शहर कलिनिनग्राद में जलावतरण किया गया।

रडार से बचने में सक्षम और मिसाइल क्षमता से लैस इस युद्धपोत के जलावतरण समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी और कई अन्य वरिष्ठ भारतीय अधिकारी मौजूद थे।

आईएनएस तुशिल से हिंद महासागर में भारतीय नौसेना की अभियानगत क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। इस क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में चीन की नौसेना की गतिविधियां बढ़ी हैं।

इस युद्धपोत का निर्माण 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के समझौते के तहत रूस में किया गया है। भारत ने नौसेना के लिए चार 'स्टील्थ फ्रिगेट' को लेकर 2016 में रूस के साथ यह समझौता किया था। इस समझौते के तहत, दो युद्धपोतों का निर्माण रूस में किया जाना था, जबकि अन्य दो का निर्माण भारत में किया जाना था।

समारोह में अपने संबोधन में सिंह ने युद्धपोत के जलावतरण को भारत की बढ़ती समुद्री ताकत का गौरवपूर्ण प्रमाण तथा रूस के साथ दीर्घकालिक संबंधों में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार ने महाराष्ट्र विधानसभा में विश्वास मत हासिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार ने सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा में विश्वास मत हासिल कर लिया। शिवसेना विधायक उदय सामंत और अन्य द्वारा पेश किए गए विश्वास प्रस्ताव को ध्वनि मत से पारित कर दिया गया।

विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने घोषणा की कि सदन ने विश्वास प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

भाजपा-शिवसेना-राकांपा 'महायुति' गठबंधन के पास 288 सदस्यीय राज्य विधानसभा में 230 सीटों का बहुमत है।

नार्वेकर ने विधानसभा में कहा, ''विश्वास मत बहुमत से पारित हो गया है। विधानसभा की कार्यवाही अब स्थगित की जाती है और आज महाराष्ट्र के राज्यपाल के अभिभाषण के बाद फिर से शुरू होगी।'' पांच दिसंबर को मुंबई में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में आयोजित समारोह में फडणवीस ने तीसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

महाराष्ट्र की 15वीं विधानसभा का कार्यकाल आधिकारिक तौर पर सात दिसंबर को शुरू हुआ। 288 सदस्यीय निचले सदन में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 230 सीटें हासिल कीं, इसलिए बहुमत साबित करना महज औपचारिकता थी।

शिवसेना नेता और पूर्व मंत्री उदय सामंत, भाजपा विधायक संजय कुटे, वरिष्ठ राकांपा नेता और पूर्व मंत्री दिलीप वल्से पाटिल और निर्दलीय विधायक रवि राणा ने निचले सदन में विश्वास मत का प्रस्ताव पेश किया। नार्वेकर की विधानसभा अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति के बाद 'महायुति' गठबंधन के पास अब छोटे दलों और निर्दलीय विधायकों सहित 229 विधायकों का समर्थन है।

हरियाणा की भाजपा सरकार तीसरे कार्यकाल में तिगुनी रफ्तार से काम करेगी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पानीपत (हरियाणा)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं को आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर दिए जाने को देश के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए सोमवार को कहा कि हरियाणा की भाजपा सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में राज्य के विकास के लिए तिगुनी रफ्तार से काम करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी एलआईसी की 'बीमा सखी योजना' का शुभारंभ करने के बाद यहां आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले 10 वर्षों में रक्षा, बैंकिंग और कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कई उपाय किए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में राज्य के विकास के लिए 'तीन गुना तेज गति' से काम करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए उन्हें पर्याप्त अवसर दिए जाने को बहुत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि महिलाओं के सामने से हर बाधा को हटाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जब महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है तो वे देश के लिए संभावनाओं के नए द्वार खोलती हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, लंबे समय तक देश में कई ऐसे काम थे, जो महिलाओं के लिए वर्जित थे, लेकिन भाजपा सरकार ने उनके रास्ते में आने वाली हर बाधा को दूर करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि देशभर में 10 करोड़ से अधिक महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में सरकार ने महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को आठ लाख करोड़ रुपए से अधिक की सहायता दी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा की अगुवाई वाली केंद्र सरकार की पहलों का जिक्र करने के साथ विपक्ष पर कटाक्ष भी किया। उन्होंने कहा, जो लोग हर चीज को वोट बैंक के तराजू पर तौलते हैं, वे यह समझने में विफल रहे हैं कि मोदी के प्रति देश में महिलाओं का समर्थन क्यों बढ़ रहा है। जो लोग माताओं और बहनों को केवल वोट बैंक समझते थे, वे इस मजबूत रिश्ते को नहीं समझ पाएंगे।

देश विरोधी ताकतों को 'हमारी अखंडता व संप्रभुता को प्रभावित करने' की अनुमति नहीं दी जा सकती : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश को अस्थिर करने के लिए अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरोस के साथ कांग्रेस नेताओं की 'मिलीभगत' के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आरोपों पर उच्च सदन में हंगामे के बीच राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि भारत के भीतर या बाहर की ताकतों को 'हमारी एकता, अखंडता और संप्रभुता को प्रभावित करने' की अनुमति नहीं दी जा सकती।

ऐसी सभी ताकतों का एकजुट होकर मुकाबला करने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि इन नापाक ताकतों से लड़ने के लिए देश प्रतिबद्ध है। सभापति ने सदन में हंगामे के बीच यह भी कहा कि उन्हें यकीन है कि दोनों पक्षों के सदस्य आत्मचिंतन करेंगे और देश के सामने एक उदाहरण पेश करेंगे। उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि दोनों पक्षों के सदस्य आत्मचिंतन करेंगे... और देश के सामने एक उदाहरण पेश करेंगे कि हम भारतीय पहले हैं, हमारे लिए देश सबसे पहले है। राष्ट्रवाद के प्रति हमारी प्रतिबद्धता 100 प्रतिशत होनी चाहिए। हम अपनी राष्ट्रीयता को कम नहीं होने देंगे। हम अपनी एकता, अखंडता और संप्रभुता के प्रति किसी भी चुनौती को बर्दाश्त नहीं करेंगे।''

सदन में सोमवार को दोनों पक्षों ने हंगामा किया। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सदस्यों ने कांग्रेस तथा उसके नेताओं पर विदेशी संगठनों और लोगों के माध्यम से देश की सरकार तथा अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने की कोशिश का आरोप लगाया और इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की। वहीं कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष ने अदाणी समूह से जुड़ा मुद्दा उठाने की कोशिश करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

सभापति ने कहा, ''मैंने अपने कक्ष में सदन के नेता और विपक्ष के नेता के साथ बैठक की थी। बैठक का मकसद यह सुनिश्चित करना था कि सदन सुचारू रूप से चले। दोनों पक्ष और कुछ अन्य नेता भी बैठक में मौजूद थे।'' उन्होंने कहा, ''दोनों पक्षों ने खुलकर चर्चा की और उन्होंने दो बातें बताईं। एक, देश की अखंडता व संप्रभुता हमारे लिए पवित्र है। हम देश के अंदर या बाहर किसी भी ताकत को हमारी एकता, हमारी अखंडता और हमारी संप्रभुता को प्रभावित करने की अनुमति नहीं दे सकते। नेताओं ने खुलकर चर्चा की। वे कल सुबह 10.30 बजे मेरे कक्ष में मिलने के लिए सहमत हुए हैं। मैं सदन के सभी सदस्यों से अपील करूंगा कि वे संविधान की शपथ पर ध्यान से विचार करें।'' सभापति ने कहा कि उनकी शपथ बहुत विशिष्ट है और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर देश की अखंडता सुनिश्चित करनी है। उन्होंने कहा, ''देश की एकता, और अखंडता के लिए कोई भी चुनौती... हम सभी को एकजुट होकर मुकाबला करने की आवश्यकता है। यह किसी एक वर्ग या दूसरे को चुनौती नहीं है।''

धनखड़ को उपराष्ट्रपति पद से हटाने के लिए जल्द नोटिस देने पर विचार कर रहा है विपक्ष : सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' घटक दलों के बीच तल्ख रिश्तों के बीच कई विपक्षी दल उन्हें उपराष्ट्रपति पद से हटाने के लिए प्रस्ताव संबंधी नोटिस देने पर विचार कर रहे हैं। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों का कहना है कि यह कदम 'बहुत जल्द' उठाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि विपक्षी दलों ने नोटिस देने के लिए अगस्त में ही जरूरी संख्या में हस्ताक्षर ले लिए थे, लेकिन वे आगे नहीं बढ़े क्योंकि उन्होंने धनखड़ को ''एक और मौका देने'' का फैसला किया था, लेकिन सोमवार के उनके आचरण को देखते हुए विपक्ष ने इस पर आगे बढ़ने का फैसला किया।

सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर अगुवाई कर रही है जबकि तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के अलावा कई अन्य विपक्षी पार्टियां इस कदम का समर्थन कर रही हैं। विपक्ष के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, ''सभापति का आचरण अस्वीकार्य है। वह भाजपा के किसी प्रवक्ता से ज्यादा वफादार दिखने का प्रयास कर रहे हैं।'' संविधान के अनुच्छेद 67 में उपराष्ट्रपति की नियुक्ति और उन्हें पद से हटाने से जुड़े तमाम प्रावधान किए गए हैं।

एयर इंडिया ने एयरबस को 100 और विमानों का ऑर्डर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। एयर इंडिया ने सोमवार को 100 एयरबस विमानों की खरीद का नया ऑर्डर देने की घोषणा की। इनमें 10 विमान चौड़े आकार वाले ए350 शृंखला के, जबकि 90 विमान पतले आकार वाले ए320 शृंखला के होंगे। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने एक बयान में कहा कि 100 विमानों का यह ऑर्डर पिछले साल एयरबस और बोइंग को दिए गए 470 विमानों के ऑर्डर के अतिरिक्त है।

एयरलाइन ने अपने ए350 बेड़े के लिए कलपुर्जे और रखरखाव सहायता के लिए एयरबस के साथ समझौते की भी घोषणा की।

इस नए ऑर्डर के साथ अब एयर इंडिया की तरफ से एयरबस को दिए गए विमानों के ऑर्डर की संख्या 250 से बढ़कर 350 हो गई है। पिछले साल दिए गए 250 विमानों के ऑर्डर में ए350 शृंखला के 40 और ए320 शृंखला के 210 विमान शामिल थे। एयर इंडिया ने फरवरी, 2023 में घोषणा की थी कि वह 470 विमानों के लिए ऑर्डर देगी और 370 अतिरिक्त विमानों के ऑर्डर विकल्प भी होंगे। जून, 2023 में इस ऑर्डर की पुष्टि की गई। टाटा संस और एयर इंडिया के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा, ''ये अतिरिक्त 100 एयरबस विमान एयर इंडिया को 'अधिक वृद्धि' के मार्ग पर आगे बढ़ाने में मदद करेंगे और एयर इंडिया को एक विश्वस्तरीय एयरलाइन बनाने के हमारे मिशन में योगदान देंगे।'' कंपनी ने कहा कि 100 अतिरिक्त विमानों के ऑर्डर के साथ एयर इंडिया को एयरबस से कुल 344 नए विमान मिलने हैं। इनमें से उसे अबतक छह ए350 विमान मिल गए हैं।

इस बीच, एयर इंडिया ने कहा कि उसने ए350 विमानों के बढ़ते बेड़े के रखरखाव के लिए एयरबस की फ्लाइट ऑवर सर्विसेज-कंपोनेंट (एफएचएस-सी) का चयन किया है। एयरबस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी गिलोम फॉरी ने कहा, ''मुझे खुशी है कि एयर इंडिया ने हमारे ए320 परिवार और ए350 विमानों के लिए इस अतिरिक्त ऑर्डर के साथ एयरबस पर फिर से अपना भरोसा दिखाया है।''

धर्म के आधार पर नहीं हो सकता आरक्षण, उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल के ओबीसी मामले में कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता। शीर्ष अदालत ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह बात कही जिसमें पश्चिम बंगाल में 2010 से कई जातियों को दिया गया ओबीसी का दर्जा रद्द कर दिया गया था। उच्च न्यायालय के 22 मई के फैसले को चुनौती देने वाली पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका सहित सभी याचिकाएं न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आईं।

न्यायमूर्ति गवई ने कहा, ''आरक्षण धर्म के आधार पर नहीं हो सकता।'' राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा, ''यह धर्म के आधार पर नहीं है। यह पिछड़ेपन के आधार पर है।'' उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में 2010 से कई जातियों को दिया गया ओबीसी का दर्जा रद्द कर दिया था और सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों और सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में उनके लिए आरक्षण को अवैध ठहराया था।

अपने फैसले में उच्च न्यायालय ने कहा, ''वास्तव में इन समुदायों को ओबीसी घोषित करने के लिए धर्म ही एकमात्र मानदंड प्रतीत हो रहा है।'' उच्च न्यायालय ने आगे कहा कि ''मुसलमानों के 77 वर्गों को पिछड़ों के रूप में चुना जाना समग्र रूप से मुस्लिम समुदाय का अपमान है''। राज्य के 2012 के आरक्षण कानून और 2010 में दिए गए आरक्षण के प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर निर्णय लेते हुए, उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि हटाए गए वर्गों के उन नागरिकों की सेवाएं, जो पहले से ही सेवा में थे या आरक्षण का लाभ उठा चुके थे, या राज्य की किसी भी चयन प्रक्रिया में सफल हुए थे, इस निर्णय से प्रभावित नहीं होंगी। उच्च न्यायालय ने कुल मिलाकर अप्रैल, 2010 और सितंबर, 2010 के बीच 77 वर्गों को दिए गए आरक्षण को रद्द कर दिया था।

बेलगावी में मराठी भाषी लोगों को दबाया जा रहा, इसे केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया जाए : आदित्य ठाकरे

पुणे/भाषा। शिवसेना नेता (उबाठा) नेता आदित्य ठाकरे ने सोमवार को आरोप लगाया कि कर्नाटक के बेलगाम में मराठी भाषी लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने मांग की कि इस क्षेत्र को केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया जाए। मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में नई सरकार के गठन को लेकर जश्न मनाया जा रहा है, वहीं पड़ोसी राज्य (कर्नाटक) के बेलगावी में स्थिति बिगड़ रही है।

महाराष्ट्र एकीकरण समिति के सदस्य सोमवार से शुरू हो रहे कर्नाटक विधानसभा के शीतकालीन सत्र का विरोध कर रहे हैं। इस संगठन ने बेलगावी में एक सभा का आयोजन किया था, लेकिन कर्नाटक सरकार ने कथित तौर पर सभा पर रोक लगा दी और महाराष्ट्र के नेताओं के राज्य में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया। विधायक ठाकरे ने पूछा, ''बेलगावी में मराठी भाषी लोगों को दबाया जा रहा है। कल से ही इस क्षेत्र में स्थिति बिगड़ती जा रही है। हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया जा रहा है। (महाराष्ट्र के) पिछले ''असंवैधानिक'' मुख्यमंत्री ने वादा किया था कि वे विवादित क्षेत्र में रहने वाले मराठी भाषी लोगों को अतिरिक्त धनराशि देंगे। उस आश्वासन का क्या हुआ?''

भाजपा ने जम्मू में रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों के बसने की सीबीआई जांच की मांग की

जम्मू/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जम्मू शहर में रोहिंग्या और बांग्लादेशी लोगों के बसने को एक बड़ी ''राजनीतिक साजिश'' करार देते हुए सोमवार को मांग की कि उन्हें मदद देने में शामिल लोगों की पहचान के लिए सीबीआई जांच करायी जाए। भाजपा ने जम्मू में उन्हें पानी और बिजली कनेक्शन देने संबंधी टिप्पणी को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि यह उन्हें बचाने के लिए किया गया है क्योंकि वे एक खास समुदाय से हैं। जम्मू-कश्मीर भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अधिवक्ता सुनील सेठी ने यहां संवाददाताओं से कहा, भाजपा उपराज्यपाल से सीबीआई जांच शुरू करने और इस साजिश की व्यापक जांच के लिए प्राथमिकी दर्ज करने का आग्रह करेगी। यह पता लगाया जाना चाहिए कि रोहिंग्या और बांग्लादेशी लोगों को लाकर जम्मू में किसने बसाया, और उनके खिलाफ मुकदमा चलाने और जेल सहित कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।'' सेठी ने दावा किया कि जम्मू-कश्मीर में रोहिंग्या और बांग्लादेशी लोगों का बसना उसी समय शुरू हुआ जब 1990 के दशक में इस क्षेत्र में आतंकवाद शुरू हुआ था। उन्होंने कहा, यह एक बड़ी साजिश है जिसकी सीबीआई जांच होनी चाहिए। इसके पीछे सभी ताकतों को बेनकाब किया जाना चाहिए और उन्हें दंडित किया जाना चाहिए। भाजपा उन लोगों की निंदा करती है जो धार्मिक आधार पर इन व्यक्तियों का समर्थन करते हैं।

नांदेड़ में ईवीएम और वीवीपीएटी सत्यापन में कोई फर्क नहीं मिला : प्रशासन

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। महाराष्ट्र के नांदेड़ में जिला प्रशासन ने 75 वीवीपैट मशीनों का ईवीएम के मतों से मिलान किया और पाया कि इनमें कोई अंतर नहीं है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतगणना और सत्यापन का काम किया गया। अधिकारी ने बताया कि जिले के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में पांच केंद्रों से ईवीएम पर प्राप्त प्रत्याशीवार मतों का वीवीपैट से मिलान किया गया।

नांदेड़ के जिलाधिकारी अभिजीत राउत ने बताया कि जिले के 75 केंद्रों पर, 30 लोकसभा और 45 विधानसभा क्षेत्रों में मतगणना त्रुटिरहित रही। अधिकारियों के अनुसार, उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों और चुनाव पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में लॉटरी के ज़रिए इन केंद्रों का चयन किया गया। मतगणना के दौरान, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के पांच वीवीपैट की पर्चियों की गिनती की गई और ईवीएम के मतों से उनका मिलान किया गया।

जिला प्रशासन ने एक विज्ञप्ति में बताया कि विधानसभा चुनाव के लिए 45 मतदान केन्द्रों (नांदेड़ के नौ निर्वाचन क्षेत्रों में पांच-पांच) और लोकसभा उपचुनाव के लिए 30 मतदान केन्द्रों (छह निर्वाचन क्षेत्रों में पांच-पांच) का सत्यापन किया गया।

भारत परिवर्तनकारी एआई क्रांति के लिए तैयार है : जितिन प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने सोमवार को भारत में, देश तथा दुनिया के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) विकसित करने पर जोर दिया और कहा कि देश एआई क्रांति के लिए तैयार है।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री प्रसाद ने 'इंडिया इंटरनेट गवर्नेंस फोरम' (आईआईजीएफ) 2024 में कहा कि भारत न केवल सबसे बड़ा लोकतंत्र है, बल्कि एक जीवंत डिजिटल अर्थव्यवस्था भी है जो नवाचार एवं समावेशिता के लिए नए मानक स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में चर्चाएं न केवल 'इंटरनेट गवर्नेंस' की चुनौतियों के समाधान पर बल्कि परिवर्तनकारी समाधान तलाशने पर भी केंद्रित होनी चाहिए। मंत्री ने कहा, '' कृत्रिम मेधा इन परिवर्तनकारी समाधानों का आधार है। हमारा दृष्टिकोण भारत में एआई बनाना और एआई को भारत के लिए उपयोगी बनाना है, साथ ही सभी के लिए एआई बनाना है। आज, भारत एक परिवर्तनकारी एआई क्रांति के लिए तैयार है।''

प्रसाद ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वक्तव्य का हवाला देते हुए कहा, '' पहले मानव सभ्यताएं नदियों तथा महासागरों के आसपास आधारित बसीं थीं, बाद में राजमार्गों के आसपास... आज की सभ्यताएं 'फाइबर ऑप्टिक केबल' के ईद-गिर्द आधारित होंगी, यही इंटरनेट है।'' उन्होंने कहा कि आज इंटरनेट महज सम्पर्क का साधन नहीं है, बल्कि अर्थव्यवस्थाओं, समाजों तथा व्यक्तिगत आकांक्षाओं की बुनियाद है।

प्रसाद ने कहा, '' भारत ने सभी के लिए एक खुले, स्वतंत्र तथा सुरक्षित डिजिटल और प्रौद्योगिकी भविष्य में वैश्विक साझा सिद्धांतों को स्थापित करने के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता का लगातार परिचय दिया है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रस्तावित ग्लोबल डिजिटल कॉम्पैक्ट (जीडीसी) को आकार देने में इसकी भागीदारी महत्वपूर्ण बनी हुई है।''

मंत्री ने साथ ही हरित तथा टिकाऊ इंटरनेट के निर्माण की वकालत करते हुए कहा कि डिजिटल अर्थव्यवस्था का तीव्र विकास पर्यावरणीय चुनौतियों के साथ आता है, जैसे डेटा केंद्रों और 'इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट' की उच्च ऊर्जा खपत। उन्होंने हितधारकों से अपनी डिजिटल रणनीतियों में स्थिरता को एकीकृत करने का आग्रह किया।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और नेशनल इंटरनेट एक्सचेंज ऑफ इंडिया द्वारा आईआईजीएफ 2024, नौ-10 दिसंबर को आयोजित किया जा रहा है।

सार्वजनिक बैंकों ने छह महीनों में 42,000 करोड़ रुपए का ऋण बट्टे खाता में डाला

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाई में 42,000 करोड़ रुपए के ऋण को बट्टे खाते में डाल दिया तथा 37,253 करोड़ रुपए की वसूली की। सरकार ने सोमवार को लोकसभा में यह जानकारी दी। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने 8,312 करोड़ रुपए, पंजाब नेशनल बैंक ने 8,061 करोड़ रुपए, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने 6,344 करोड़ रुपए और बैंक ऑफ बड़ौदा ने 5,925 करोड़ रुपए के कर्ज बट्टे खाते में डाले। उन्होंने कहा, ''इस तरह से ऋण बट्टे खाते में डालने से कर्ज लेने वालों की देनदारियां माफ नहीं होती हैं और इसलिए इससे उन्हें कोई लाभ नहीं होता है। ऋण लेने वाले पुनर्भुगतान के लिए उत्तरदायी बने रहते हैं और बैंक अपने पास उपलब्ध विभिन्न वसूली तंत्रों के माध्यम से इन खातों में शुरू की गई वसूली कार्रवाई जारी रखते हैं।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन

CHANGE OF NAME

I, P LAKSHMI (Existing Name of as per change of NOK Service Document) legally wedded spouse of No.17006101H,NK(VM), P DINASEKHAR, residing at D. No.7-16, Venkatrapuram (V). Polavaram (P), Puthalpattu (M) Chittoor Dist, AP, 517124 have changed my name from P LAKSHMI to GORJALA LAKSHMI(Proposed New Name of Spouse) vide Affidavit Dated 30/11/2024 in front of Advocate and Notary Sudhakaran, Chittoor.

राहुल गांधी 'कॉमेडी किंग' हैं : धर्मेन्द्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने सोमवार को संसद परिसर में विपक्षी सांसदों के विरोध प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें 'कॉमेडी किंग' करार दिया जो प्रासंगिक बने रहने का प्रयास कर रहे हैं।

विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के कुछ घटक दलों के नेताओं ने सोमवार को अदाणी विवाद को लेकर संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया।

इसके अलावा गांधी ने इस मुद्दे पर एक छद्म (मॉक) 'साक्षात्कार' लिया जिसके तहत उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उद्योगपति गौतम अदाणी का मुखौटा पहने कांग्रेस सांसदों से प्रतीकात्मक रूप से सवाल-जवाब किये।

प्रधान ने 'एक्स' पर विरोध प्रदर्शन का एक वीडियो टैग करते हुए कहा,राहुल वही कर रहे हैं जिसे वह सर्वोत्तम तरीके से करते हैं- स्टैंड-अप कॉमेडी। उनके दुर्भावनापूर्ण दावे और शेखी बघारने वाले बयान हर बार व्यापक जांच के बोझ तले ध्वस्त हो गए। एक मोहरे की भूमिका को पूर्णता से निभाते हुए वह एक बार फिर लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे जबकि उनका दुष्प्रचार अभियान देश की जनता को प्राभावित करने में विफल रहा है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से चुनावी नतीजे इस बात का प्रमाण हैं कि उनके बासी, पुनर्चक्रित दुष्प्रचार को स्वीकार करने वाला कोई नहीं है। प्रधान ने कहा कि 'कॉमेडी किंग' द्वारा प्रासंगिक बने रहने का यह एक और हताशापूर्ण प्रयास है।

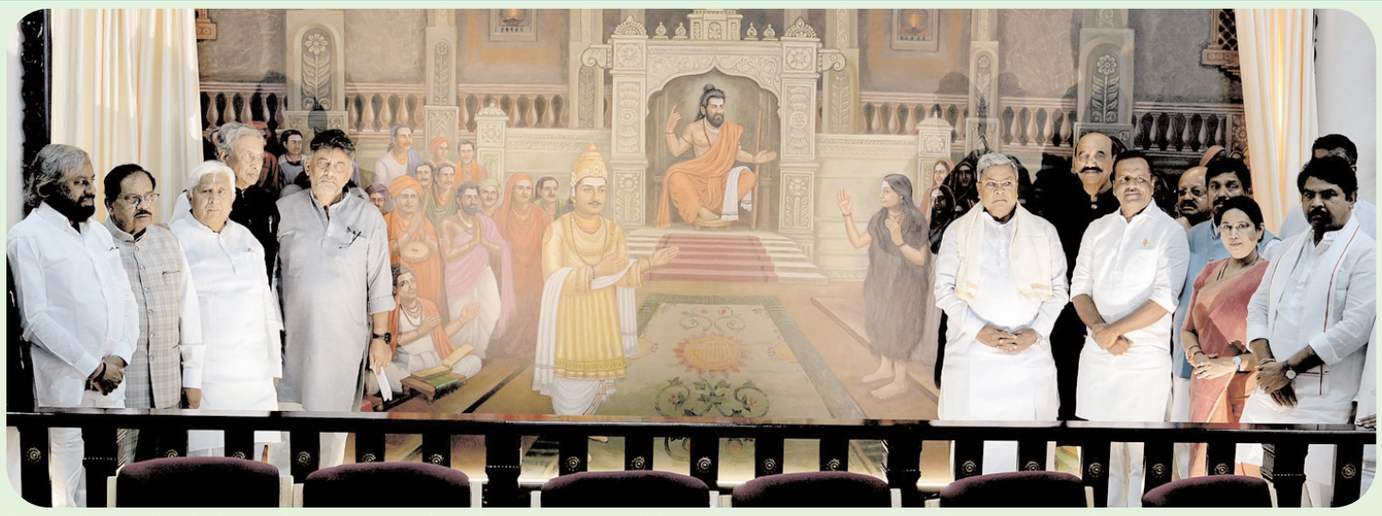

बेलगावी में सुवर्ण सौधा में सोमवार को शीतकालीन सत्र के पहले दिन अनुभव मंडप में तेल चित्रकला का एक विशालकाय नमूने का अनावरण करते हुए विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, विधानसभा विपक्ष के नेता आर अशोक, मंत्री एचके पाटिल, ईश्वर खांड्रे, लक्ष्मी हेब्बालकर और अन्य ।

संतश्री बसवन्ना का एक सपना था 'जातिमुक्त समान समाज का निर्माण करना': सिद्दरामय्या

सुवर्णसौधा के अनुभव मंडप में मुख्यमंत्री ने संतश्री बसवन्ना के चित्र का किया अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। शहर में सुवर्ण सौधा में सोमवार को शीतकालीन सत्र के पहले दिन अनुभव मंडप में एक चित्रकला नमूने के अनावरण के मौके पर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने संत बसवन्ना के दर्शन के बारे में बोलते हुए कहा कि संत बसवन्ना के चित्र का अनावरण करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मैं इसे एक बड़ा सम्मान मानता हूं। 12वीं सदी में संतश्री बसवन्ना और उनके अनुयायियों ने असमानता, जातिगत भेदभाव और शोषण को खत्म करने के लिए एक उल्लेखनीय सामाजिक क्रांति का नेतृत्व किया। उनका सपना जातिमुक्त समान समाज का निर्माण करना था। संतश्री का मानना था कि धर्म पदानुक्रम या भेदभाव के साथ अस्तित्व में नहीं रह सकता। बसवन्ना ने हमें सिखाया कि करुणा ही धर्म का सार है। सिद्दरामय्या ने उस समय के परिवेश को याद करते हुए कहा कि उस समय विवाह जाति के आधार पर तय होते थे और किसी व्यक्ति का मूल्य उसकी प्रतिभा या योग्यता से नहीं बल्कि उसकी जाति और वर्ण से आंका जाता था। इस स्वर्णसौधा में मैं स्वयं व आर. अशोक, अश्वत्थनारायण, यतनाल, जी. परमेश्वर, एचके. पाटिल और केएच मुनियप्पा जैसे अनेक नेता है जिन्हें केवल जाति के कारण भेदभाव का सामना करना पड़ा है। जाति व्यवस्था को उन लोगों ने बनाए रखा है जो इसकी असमानताओं से लाभ उठाते हैं। वे ही इस भेदभाव को कायम रखते हैं

मुख्यमंत्री ने कवि कुवेम्पु को याद करते हुए कहा कि कुवेम्पु ने कहा है कि सभी मनुष्य समान पैदा होते हैं। संत कनकदास ने हमें जाति के आधार पर खुद को विभाजित न करने के लिए कहा। इन सभी महापुरुषों के शब्द संतश्री बसवन्ना की शिक्षाओं से गहराई से मेल खाते हैं। अनुभव मंडप कई मायनों में आज की विधानसभाओं और संसद की तरह है। यह समावेशी था, जिसमें सभी जातियों और महिलाओं के प्रतिनिधि एक साथ आते थे। निचले समुदाय के सदस्य अल्लामा प्रभु इसके अध्यक्ष थे।

इतिहास हमें यह भी दर्शाता है कि बुद्ध के समय में भी ऐसे समावेशी मंच मौजूद थे, जिनमें सभी जातियों और धर्मों का प्रतिनिधित्व था। हमें अंबेडकर के ये शब्द याद रखने चाहिए कि 'जो लोग इतिहास नहीं जानते, वे इतिहास नहीं बना सकते।' एक समय शूद्रों और महिलाओं को शिक्षा से वंचित रखा जाता था, लेकिन संत बसवन्ना और उनके अनुयायियों ने इस प्रथा को अस्वीकार कर दिया और अपने समाज में समावेशिता सुनिश्चित की।

मुख्यमंत्री ने तर्क देते हुए कहा कि राममनोहर लोहिया ने सही कहा था कि जाति व्यवस्था ने हमारे समाज को गतिहीन कर दिया है। सच्ची प्रगति तभी हो सकती है जब हम आर्थिक और सामाजिक गतिशीलता को सक्षम बना सकें। जाति व्यवस्था कुएँ की तलहटी में जमी गंदगी की तरह है।

जब इसे हिलाया जाता है, तो यह कुछ समय के लिए हट जाती है, लेकिन जल्दी ही फिर से उभर आती है। 850 साल पहले भी संत बसवन्ना का सपना इन बाधाओं से मुक्त समाज का निर्माण करना था। मुझे गर्व है कि मेरे कार्यकाल के दौरान हमने अनुभव मंडप की पेंटिंग का अनावरण किया है। यह बसवन्ना की स्थायी विरासत के लिए एक सच्ची श्रद्धांजलि है।

आज 'पंचमसाली 2ए आरक्षण' मुद्दा संबंधित सुप्रीम कोर्ट का आदेश विधानसभा में पेश किया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। सुवर्ण सौधा में चल रहे शीतकालीन सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने घोषणा की है कि पंचमसाली 2ए आरक्षण के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के आदेश और पिछली सरकार द्वारा प्रस्तुत हलफनामे को राज्य विधानसभा में पेश किया जाएगा। सोमवार को बेलगावी सुवर्ण सौधा में शीतकालीन सत्र के दौरान बोलते हुए मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों द्वारा उठाई गई चिंताओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि पंचमसाली समुदाय लंबे समय से 2ए श्रेणी में शामिल किए जाने की मांग कर रहा है। पदभार संभालने के बाद, मैंने जयमृत्युंजय स्वामीजी सहित उनके नेताओं से दो बार मुलाकात की और उन्हें अपने समर्थन का आश्वासन दिया। हालांकि, इस मुद्दे पर राज्य के स्थायी पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट की आवश्यकता है।

वर्तमान में कर्नाटक में पिछड़े वर्गों को श्रेणी 1, 2ए, 3ए और 3बी में बांटा गया है। पंचमसाली और वीरशैव लिंगायत समुदाय श्रेणी 3बी के अंतर्गत आते हैं। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने स्पष्ट किया कि पिछली बसवराज बोम्मई सरकार ने पंचमसाली को 2ए के अंतर्गत शामिल नहीं किया था। इसके बजाय, इसने मुसलमानों के लिए 4% कोटा रद्द करके और इसे श्रेणियों 3ए और 3बी में समान रूप से पुनः आवंटित करके आरक्षण को पुनर्वितरित किया। इस निर्णय को मुस्लिम समूहों द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई, जिसके कारण भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने यथास्थिति बनाए रखने के लिए हलफनामा दायर किया। न्यायालय के बाद के आदेश ने इस स्थिति को मजबूत किया, जिससे बदलाव की कोई गुंजाइश नहीं बची। सिद्दरामय्या ने पुष्टि की, मैं मंगलवार को विधानसभा में सुप्रीम कोर्ट का आदेश पेश करूंगा।

बेलगावी में विरोध प्रदर्शन पर प्रतिबंध से पंचमसाली संत नाराज़

बेलगावी। लिंगायत संत जयमृत्युंजय स्वामी ने बेलगावी में लागू किए गए निषेधाज्ञा आदेश पर अपना रोष व्यक्त किया है, जहां सोमवार को कर्नाटक विधानमंडल का शीतकालीन सत्र शुरू हुआ। स्वामी ने मंगलवार को बेलगावी में ट्रैक्टर रैली की योजना बनाई थी, लेकिन जिला प्रशासन ने निषेधाज्ञा लागू कर दी और शहर में ट्रैक्टरों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया।

कुदाल संगम के पंचमसाली गुरु पीठ के पुजारी दिसंबर 2012 से ही पंचमसाली समुदाय को अन्य पिछड़ी जातियों की 2ए श्रेणी के अंतर्गत लाने के लिए राज्य सरकार पर दबाव डाल रहे हैं। स्वामी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि जब वह लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहे थे तो इस तरह के प्रतिबंध अनावश्यक थे। यह समुदाय वर्तमान में 3बी श्रेणी के अंतर्गत आता है और सरकारी शिक्षण संस्थानों और नौकरियों में इसे पांच प्रतिशत आरक्षण मिलता है। मांग पूरी होने पर समुदाय को 15 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा।

कोच्चि जाने वाला विमान चेन्नई में आपात स्थिति में उतरा, यात्री सुरक्षित : हवाई अड्डा अधिकारी

चेन्नई। कोच्चि जा रहे एक निजी विमान को सोमवार को तकनीकी खराबी का पता चलने के बाद यहां चेन्नई में आपात स्थिति में उतारा गया। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। निजी विमानन कंपनी 'स्पाइसजेट' ने कहा कि विमान को सुरक्षित उतार लिया गया और यात्रियों को सुरक्षित सामान्य रूप से विमान से बाहर निकाला गया।

हवाई अड्डे के अधिकारियों के अनुसार, विमान 117 यात्रियों को लेकर यहां से कोच्चि के लिए रवाना हुआ था। उन्होंने बताया कि पायलट को बाद में तकनीकी गड़बड़ी का पता चला, जिसके बाद विमान को चेन्नई वापस ले जाया गया और आपात स्थिति में उतारा गया। उन्होंने बताया कि आवश्यक सुरक्षा उपाय किए गए और विमान को सुरक्षित रूप से उतर गया।

इस बीच, 'स्पाइसजेट' ने कहा कि विमान तकनीकी समस्या के कारण चेन्नई लौट आया। 'स्पाइसजेट' के प्रवक्ता ने कहा, नौ दिसंबर, 2024 को चेन्नई से कोच्चि के लिए उड़ान भरने वाला 'स्पाइसजेट क्यू400' विमान तकनीकी समस्या के कारण चेन्नई लौट आया।

महिला का उसके दोस्त ने यौन उत्पीड़न किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु के एक अस्पताल में काम करने वाली 26 वर्षीय एक युवती को नशीला पदार्थ खिलाकर उसके पुरुष मित्र ने उसका कथित रूप से यौन उत्पीड़न किया और बाद में वह उसे उसके निजी वीडियो दिखाकर यौन संबंध बनाने की मांग करके ब्लैकमेल करने लगा। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पीड़िता ने आरोपी पर जातिसूचक टिप्पणियां कर उसका अपमान करने का भी आरोप लगाया।

यह घटना शुक्रवार को तब सामने आयी जब महिला ने 'हाई ग्राउंड्स पुलिस' में शिकायत की। महिला के बयान के आधार पर आरोपी के खिलाफ बलात्कार, यौन उत्पीड़न, आपराधिक धमकी और महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार रोकथाम) अधिनियम के तहत भी आरोपी बनाया गया है।

महिला ने शिकायत की कि एक क्रेडिट कार्ड कंपनी में काम करने के दौरान उसकी आरोपी के साथ दोस्ती हुई थी और बाद में आरोपी ने उसे एक पारिवारिक कार्यक्रम में बुलाया तथा नशीले पदार्थ से युक्त एक पेय पदार्थ पिलाया। महिला ने दावा किया है कि बेहोश हो जाने पर आरोपी ने एक कमरे में ले जाकर उसका यौन उत्पीड़न किया और इस हरकत का वीडियो भी बना लिया। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी यौन संबंध बनाने के लिए इन वीडियो के जरिये उसे ब्लैकमेल करने लगा। जब उसने (पीड़िता ने) उसके उत्पीड़न से बचने के लिए नौकरी बदल ली तब भी वह यह कहते हुए उसे धमकाता रहा कि उसने (पीड़िता ने) अगर उसकी बात नहीं मानी तो वह वीडियो सार्वजनिक कर देगा। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि जब वह उसकी मांगों पर आपत्ति जताती थी और उससे शादी कर लेने के लिए कहती थी तब वह उसे जातिसूचक टिप्पणियां कर अपमानित करता था।

नवनिर्वाचित तीन विधायकों ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक में कांग्रेस के नवनिर्वाचित तीन विधायकों ने सोमवार को राज्य विधानसभा की सदस्यता की शपथ ली। यहां सुवर्ण विधान सौधा में विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू होते ही ई. अन्नपूर्णा, यासिर अहमद खान पठान और सी. पी. योगीश्वर ने विधायक के रूप में शपथ ली। ये तीनों क्रमशः संडुर, शिग्गांव और चन्नपटना विधानसभा क्षेत्रों में हुए उपचुनाव में विधायक चुने गए हैं। राज्य में 13 नवंबर को हुए उपचुनाव में बेल्लारी के सांसद ई. तुकाराम की पत्नी कांग्रेस उम्मीदवार अन्नपूर्णा ने अपने पति द्वारा खाली की गई सीट पर जीत हासिल की है, जबकि शिग्गांव में पठान ने पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के बेटे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार भरत बोम्मई को हराया है।

योगेश्वर ने जनता दल (सेक्युलर) उम्मीदवार और कुमारस्वामी के बेटे निखिल कुमारस्वामी को हराकर चन्नपटना सीट जीती है। कर्नाटक की 224 सदस्यीय विधानसभा में अध्यक्ष को छोड़कर अब कांग्रेस के विधायकों की संख्या 136 हो गई है। महाराष्ट्र की सीमा से सटे बेलगावी में वर्ष 2006 से हर साल एक बार विधानमंडल सत्र आयोजित होता आ रहा है।

बेलगावी को कर्नाटक का अभिन्न अंग मानते हुए बेंगलूरु के राज्य सचिवालय 'सुवर्ण विधान सुधा' को विधान सुधा की तर्ज पर बनाया गया है। महाराष्ट्र का दावा है कि बेलगावी और आसपास के कुछ स्थान उसके हैं।

केरल के मंत्री ने नृत्य सिखाने के लिए मोटी रकम की मांग करने वाली अभिनेत्री की आलोचना की

तिरुवनंतपुरम। केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने आगामी राज्य स्कूल युवा महोत्सव के स्वागत नृत्य और गीत की 'कोरियोग्राफी' के लिए पांच लाख रुपये फीस मांगने वाली मलयालम फिल्म की एक लोकप्रिय अभिनेत्री की बुधवार को आलोचना की। अभिनेत्री का नाम लिए बगैर मंत्री ने कहा कि उन्होंने बच्चों को 10 मिनट का 'प्रेजेंटेशन' सिखाने के लिए मोटी रकम की मांग की थी।

मंत्री को एक कार्यक्रम के दौरान यह बात कहते सुना गया, जिसका वॉयस क्लिप टीवी चैनलों पर प्रसारित हुआ है। उन्होंने इसे 'लालच' और 'अहंकार' करार देते हुए कहा कि ऐसे लोग युवा महोत्सवों के माध्यम से प्रसिद्धि पाने के बाद अपनी जड़ों को भूल जाते हैं। मंत्री ने कहा, उन्होंने पांच लाख रुपये भुगतान की मांग की...यह कैसा अहंकार है। मुख्य मुद्दा यह है कि इतनी ऊंचाई तक पहुंचने के बावजूद उनके लालच में कमी नहीं आई है। शिवनकुट्टी ने कहा कि विभाग ने उस अभिनेत्री को कार्यक्रम से बाहर करने और कार्यक्रम के लिए समर्पित कलाकारों को चुनने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, मैं अभिनेत्री का नाम नहीं बता रहा हूं... अगर मैं ऐसा करूंगा तो यह मीडिया में बड़ी खबर बन जाएगी। मंत्री ने प्रसिद्ध अभिनेता फहाद फाजिल के पिछले वर्ष ओणम समारोह में आमंत्रित किए जाने को याद किया।

जैन समाज स्वाभिमान, ईमानदारी का दूसरा नाम है : भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने सोमवार को बेलगावी में अखिल जैन अल्पसंख्यक संघर्ष समिति द्वारा आयोजित जैन सम्मेलन स्थल का दौरा किया। इस सम्मेलन में समिति की ओर से भाजपा अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा गया जिसमें राज्य में जैन विकास निगम की स्थापना, हर साल 200 करोड़ का अनुदान, जिन जिलों में जैन आबादी अधिक है, वहां अल्पसंख्यक छात्रावासों में 2 छात्रावास जैन छात्रों के लिए आरक्षित किए जाने की मांग की गई है। इस मौके पर विजयेन्द्र ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि वे जैन समुदाय के मांगों के लिए शीतकालीन सत्र में अपने विचार रखेंगे और सरकार का ध्यान आकर्षित करेंगे। उन्होंने जैन समाज के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जैन समाज स्वाभिमान और ईमानदारी का दूसरा नाम है।

कर्नाटक विधानसभा में वक्फ मुद्दे पर हंगामा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक विधानसभा में सोमवार को शीतकालीन सत्र के पहले दिन वक्फ मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ और विपक्षी भाजपा ने इस मुद्दे पर तत्काल चर्चा कराने की मांग की। कुछ दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि देने के बाद जब विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर ने यहां सुवर्ण विधान सौध में 'अनुभव मंडप' की एक बड़ी पेंटिंग के अनावरण का जिक्र करना चाहा, तो विपक्ष के नेता आर अशोक ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कुछ विधायकों के साथ मांग की कि उनके कार्य स्थगन नोटिस के आधार पर पहले वक्फ मुद्दे पर चर्चा कराई जाए। अनुभव मंडप बसवकल्याण में 12वीं सदी का आध्यात्मिक केंद्र है, जिसका नेतृत्व समाज सुधारक बसवन्ना और अन्य करते थे और जहां समकालीन सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा होती थी। अशोक ने कहा, आप यहां अनुभव मंडप की बात कर रहे हैं, जबकि बसवन्ना के कई मंदिर वक्फ की संपत्ति बन गए हैं।

जब भाजपा नेताओं ने इस मुद्दे को उठाने की कोशिश की, तो विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि वह उन्हें बाद में इसे उठाने की अनुमति देंगे, लेकिन सत्तारूढ़ कांग्रेस के सदस्यों ने हंगामा किया। राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने कहा, वक्फ भूमि के मुद्दे ज्यादातर भाजपा शासन के दौरान हुए हैं, हम इस मुद्दे को सामने लाएंगे। उन्होंने कहा कि विपक्षी भाजपा चर्चा नहीं चाहती। गौड़ा ने कहा कि वे राजनीति करना चाहते हैं और सदन का समय बर्बाद करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार अध्यक्ष की अनुमति मिलने पर चर्चा के लिए तैयार है।

मंत्री शरण प्रकाश पाटिल ने कहा कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 12वीं सदी के समाज सुधारक बसवन्ना और उनके सिद्धांतों के विरोधी हैं। इससे भाजपा सदस्य नाराज हो गए और उन्होंने वक्फ मुद्दे पर चर्चा के लिए जोरदार दबाव डाला। अशोक ने कहा, कम से कम मुझे मेरे कार्य स्थगन नोटिस के आधार पर प्रारंभिक बयान देने की अनुमति दें।

विजयपुरा जिले के किसानों के एक वर्ग ने आरोप लगाया है कि उनकी भूमि को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है। इसके बाद कुछ अन्य स्थानों से भी इसी तरह के आरोप सामने आए हैं और कुछ संगठनों और मठों जैसी धार्मिक संस्थाओं ने भी ऐसे आरोप लगाए हैं। विवाद बढ़ने के बाद मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने हाल में अधिकारियों को निर्देश दिया था कि किसानों को जारी किए गए सभी नोटिस तुरंत रद्द किए जाएं और बिना उचित नोटिस के भूमि अभिलेखों में किसी भी अनधिकृत संशोधन को भी रद्द किया जाना चाहिए। हालांकि, भाजपा इस मुद्दे पर सरकार को निशाना बनाते हुए राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन कर रही है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सरकार वक्फ मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है और वह नियमों के अनुसार प्रश्नकाल के बाद इसकी अनुमति देंगे। हालांकि, भाजपा सदस्य नहीं माने और उन्होंने वक्फ मुद्दे पर चर्चा की अपनी मांग जारी रखी। इस बीच, भाजपा विधायक बसंगौड़ा पाटिल यतनाल के नेतृत्व में कुछ विपक्षी विधायकों ने आरोप लगाया कि बेलगावी जिला प्रशासन ने पंचमसाली लिंगायत समुदाय द्वारा कल प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया है।

एक समुदाय द्वारा विरोध प्रदर्शन पर प्रतिबंध क्यों लगाए गए हैं, यह जानने की मांग करते हुए उन्होंने पूछा, क्या कोई इस सरकार के खिलाफ आवाज नहीं उठा सकता? सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई, जिसके बाद अध्यक्ष ने सदन को दोपहर के भोजन के लिए स्थगित कर दिया।

भारत का विकास हर क्षेत्र में नजर आता है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' के मंत्र का अनुसरण करते हुए भारत ने जो विकास किया है वह हर क्षेत्र में नजर आता है तथा आज दुनिया का हर 'विशेषज्ञ व निवेशक' भारत को लेकर उत्साहित है। मोदी यहां 'राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट' के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, आज दुनिया का हर विशेषज्ञ, हर निवेशक भारत को लेकर उत्साहित है। 'रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफार्म' के मंत्र का अनुसरण करते हुए भारत ने जो विकास किया है वह हर क्षेत्र में नजर आता है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद के सात दशक में भारत दुनिया की ग्यारहवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन पाया था लेकिन पिछले दस वर्ष में हमारा देश पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 10 वर्षों में भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था का आकार करीब-करीब 'दोगुना' किया है और निर्यात भी करीब-करीब 'दोगुना' हो गया है।

मोदी ने कहा कि आज दुनिया को एक ऐसी अर्थव्यवस्था की जरूरत है जो बड़े से बड़े संकट के दौरान भी मजबूती से चलती रहे तथा उसमें रुकावट न आए। उन्होंने कहा कि इसके लिए भारत में व्यापक 'विनिर्माण आधार' होना बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र पर चल रही है और इसका बहुत बड़ा लाभ राजस्थान को हो रहा है। उन्होंने कहा, पिछले दस वर्ष भारत में 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। बीते दस वर्षों में भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था का आकार करीब दोगुना किया है। दस साल में भारत का निर्यात भी करीब दोगुना हो गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये सिर्फ भारत के लिए ही नहीं बल्कि दुनिया की अर्थव्यवसथा के लिए भी आवश्यक है। मोदी ने कहा, अपने इसी दायित्व को समझते हुए भारत ने निर्माण क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का एक बहुत बड़ा संकल्प लिया है। भारत, अपने 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के तहत निम्न लागत वाले विनिर्माण पर बल दे रहा है।

उन्होंने कहा कि आज दुनिया को एक ऐसी अर्थव्यवस्था की जरूरत है, जो बड़े से बड़े संकट के दौरान भी मजबूती से आगे बढ़ती रहे और उसमें रुकावटें ना आए। मोदी ने कहा कि यह अपने आप में बड़ी उपलब्धि है कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में लोकतंत्र इतना फल-फूल रहा है। उन्होंने कहा, लोकतांत्रिक होते हुए मानवता का कल्याण भारत के दर्शन का मूल है। भारत की जनता अपने लोकतांत्रिक हक के माध्यम से भारत में स्थिर सरकार के लिए वोट दे रही है। युवा शक्ति इसे आगे बढ़ा रही है। मोदी ने कहा कि आने वाले अनेक साल तक भारत दुनिया का सबसे युवा देश रहने वाला है। उन्होंने कहा, भारत में युवाओं का सबसे बड़ा पूल होने के साथ ही सबसे बड़ा 'कौशलयुक्त' युवा वर्ग होगा। इसके लिए सरकार एक के बाद एक कई फैसले ले रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने दिखाया है कि कैसे डिजिटल प्रौद्योगिकी का लोकतंत्रीकरण हर क्षेत्र और हर वर्ग को फायदा पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया को 'डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी व डेटा' की असली ताकत दिखा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी सरकार विकास के साथ-साथ विरासत के मंत्र पर काम कर रही है और इसका राजस्थान को भरपूर लाभ मिल रहा है। उन्होंने विपक्ष को आड़े हाथ लेते हुए कहा, आजादी के बाद की सरकारों की प्राथमिकता न तो देश का विकास था और न ही इसकी विरासत थी। उन्होंने कहा कि इसका नुकसान राजस्थान उठा चुका है। लेकिन आज सरकार 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र पर चल रही है। इसका लाभ राजस्थान को हो रहा है।

मोदी ने राज्य की भजनलाल सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा, राजस्थान, राइजिंग तो है ही, रिलाएबल भी है। राजस्थान रिसेप्टिव (ग्रहणशील) भी है और समय के साथ खुद को रिफाइन करना भी जानता है। चुनौतियों से टकराने का नाम है राजस्थान, नए अवसरों को बनाने का नाम है राजस्थान। मोदी ने राजस्थान में एक वर्ष पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने की ओर इशारा करते हुए कहा, राजस्थान के इस 'आर-फैक्टर' में अब एक और पहलू जुड़ चुका है। राजस्थान के लोगों ने यहां भारी बहुमत से भाजपा की 'रेस्पोंसिव' (जवाबदेह) और 'रिफार्मिस्ट' (सुधारवादी) सरकार बनाई है। बहुत ही कम समय में यहां भजन लाल जी और उनकी पूरी टीम ने शानदार काम करके दिखाया है।

उन्होंने कहा, कुछ ही दिन में राज्य सरकार अपना एक वर्ष पूरा करने जा रही है। भजन लाल जिस कुशलता और प्रतिबद्धता के साथ राजस्थान के तेज़ विकास में जुटे हैं, वो प्रशंसनीय है। गरीब कल्याण हो, किसान कल्याण हो, युवाओं के लिए नए अवसरों का निर्माण हो, सड़क, बिजली, पानी के काम हों, राजस्थान में हर प्रकार के विकास, उससे जुड़े हुए सारे काम तेजी से हो रहे हैं।

मोदी ने कहा, अपराध व भ्रष्टाचार को नियंत्रण करने में जो तत्परता यहां सरकार दिखा रही है, उससे नागरिकों और निवेशकों में नया उत्साह आया है। प्रधानमंत्री ने कहा, राजस्थान के पास प्राकृतिक संसाधनों का भंडार है। राजस्थान के पास आधुनिक कनेक्टिविटी का नेटवर्क, एक समृद्ध विरासत, एक बहुत बड़ा क्षेत्रफल और बहुत ही समर्थ युवा शक्ति भी है। यानी रोड से लेकर रेलवे तक, आतिथ्य सतकार से लेकर हाथों की कलाकारी तक, खेत से लेकर किले तक राजस्थान के पास बहुत कुछ है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान का ये सामर्थ्य, राज्य को निवेशक के लिए बहुत ही 'आकर्षक गंतव्य' बनाता है। कार्यक्रम में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, अनेक मंत्री, देश दुनिया के प्रमुख उद्योगपति व निवेशक शामिल हुए। सम्मेलन तीन दिन चलेगा।

समझौतों के कार्यान्वयन से बदलेगा राजस्थान का रंग-ढंग : वसुंधरा राजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने सोमवार को कहा कि 'राइजिंग राजस्थान' निवेश सम्मेलन के समझौतों के लागू होते ही प्रदेश के रंग-ढंग बदल जाएंगे। राजे ने यहां सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भाग लेने से पहले संवाददाताओं से कहा, इनके (समझौते) लागू होते ही रोजगार, अर्थव्यवस्था और राजस्थान का रंग बदलेगा। उन्होंने कहा, मैं भगवान से प्रार्थना करती हूं कि यह (समझौते) जल्दी से जल्दी लागू हो जाएं। अगले चार वर्ष में हमें अच्छी तरह से फलते-फूलते राजस्थान को देखने का मौका मिले।

राजे ने कहा, मुझे बहुत खुशी है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खुद यहां हम लोगों की बीच में आये हैं और मुझे विश्वास है कि उनके और हमारे मुख्यमंत्री के प्रयासों का फल मिलेगा और राजस्थान पर उसका पूरा असर होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने इस तीन दिवसीय निवेश सम्मेलन का उद्घाटन किया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इस अवसर पर कहा कि राजस्थान में बहुत संभावनाएं हैं और सरकार के पहले ही वर्ष में इतना बड़ा आयोजन करने पर वह सोचती हैं कि मुख्यमंत्री ने बहुत बड़ी चुनौती ली है। उन्होंने कहा सभी निवेशकों में बहुत उत्साह है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सम्मेलन में इतने बड़े बड़े उद्योगपति आए हैं और निश्चित रूप से राजस्थान में एक वातावरण भी बना है, जिससे यहां निवेश भी आयेगा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने हमारे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, हमारी सरकार की बहुत प्रशंसा की और कहा कि टीम अच्छा काम कर रही है। हमलोग ऐसे ही काम करते रहेंगे।

वेदांता समूह राजस्थान में एक लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वेदांता समूह राजस्थान में अपनी कंपनियों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए अगले दो-तीन साल में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। इससे रोजगार के एक लाख अतिरिक्त अवसरों का सृजन होगा। वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा कि समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक वर्तमान में 10 लाख टन जस्ता का उत्पादन कर रही है। कंपनी का इरादा इसे दोगुना कर 20 लाख टन करने का है। अग्रवाल ने कहा, इसमें 800 किलोग्राम चांदी भी बनाई जाती है, जिसे हम दोगुना कर 1.6 टन करने जा रहे हैं।

हमारी सभी समूह कंपनियां पूरी तरह से नवीकरणीय ऊर्जा पर काम करेंगी। हम तीन लाख बैरल तेल और गैस का उत्पादन करेंगे। इसमें एक लाख करोड़ रुपये का निवेश होगा। उन्होंने गैर-लाभकारी आधार पर एक औद्योगिक पार्क स्थापित करने की घोषणा भी की। अग्रवाल ने कहा, ऐसे कई उद्यमी हैं जो अवसरों की तलाश में हैं। हम कच्चा माल उपलब्ध कराएंगे और घर-घर बिजली पहुंचाएंगे। जस्ता तथा चांदी का उपयोग कर कई चीजें बनाई जा सकती हैं। हमें उम्मीद है कि हम तीन साल में पूरा निवेश कर लेंगे और उत्पादन क्षमता दोगुनी कर देंगे। 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' में उन्होंने कहा कि वेदांता समूह की योजना राष्ट्रीय खजाने में करों के माध्यम से प्रतिवर्ष अपना योगदान बढ़ाकर 1.5 लाख करोड़ रुपये करने की है। इसमें से 40,000 करोड़ रुपये राजस्थान को मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में वेदांता समूह सरकारी खजाने में हर साल 50,000 करोड़ रुपये का योगदान देता है, जिसमें से 10,000 करोड़ रुपये राजस्थान को मिलते हैं। अग्रवाल ने कहा, हमारी विस्तार योजना जारी है। हम सरकार की कर आय में अपना योगदान तीन गुना बढ़ाकर 1.5 लाख करोड़ रुपये करेंगे, जिसमें से 40,000 करोड़ रुपये राजस्थान को जाएंगे और पांच लाख लोगों के लिए रोजगार पैदा होगा।'

निवेश सम्मेलन से देश का अग्रणी राज्य बनेगा राजस्थान : शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कहा कि 'राइजिंग राजस्थान' निवेश सम्मेलन से प्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां तीन दिवसीय 'राइजिंग राजस्थान' सम्मेलन का सोमवार को उद्घाटन किया। शर्मा ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, राजस्थान के हर क्षेत्र में संभावनाएं हैं फिर चाहे कोई सा भी क्षेत्र हो। मैं 'राइजिंग राजस्थान' निवेश सम्मेलन के माध्यम से सभी का धन्यवाद देना चाहता हूं, जिसकी बदौलत हम प्रदेश को अग्रणी राजस्थान बनाने में कामयाब होंगे। उन्होंने कहा, हमारी सरकार का एक वर्ष पूरा होने वाला है। हमने राजस्थान की जनता से जो वादे किये थे निश्चित रूप से हमारी सरकार और हमारे मंत्रिमंडल साथियों के सहयोग से उन वादों को पूरा करने के लिए हमने काम किया, जो आप सभी देख रहे है।

उन्होंने कहा मैं प्रतिबद्धता के साथ कहता हूं, जिस संकल्प के साथ हमारी सरकार सत्ता में आयी है हम उस संकल्प को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, सम्मेलन में बड़ी संख्या में निवेशक आए हैं और मैं कह सकता हूं कि आने वाले समय में राजस्थान में हर क्षेत्र में जिस तरह की संभावनाएं हैं, हम राजस्थान को अग्रणी राज्य बनाने में सफल होंगे।

राजस्थान में निवेश के लिए पुख्ता कानून व्यवस्था व भयमुक्त माहौल सुनिश्चित हो : डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सोमवार को कहा कि प्रदेश में निवेश के लिए पुख्ता कानून व्यवस्था और भयमुक्त माहौल सुनिश्चित किया जाना बेहद जरूरी है। डोटासरा ने जयपुर में सोमवार से शुरू हुए 'राजस्थान राइजिंग' निवेश सम्मेलन का जिक्र करते हुए कहा, राजस्थान पधारे समस्त निवेशकों का अभिनंदन एवं सरकार को 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के लिए शुभकामनाएं।

उम्मीद है सरकार सिर्फ करार एमओयू नहीं, निवेश लाएगी और जनता को निवेश की सच्चाई भी बताएगी। उन्होंने कहा, सरकार से ये भी अपेक्षा है कि निवेश के लिए प्रदेश में पुख्ता कानून व्यवस्था, भयमुक्त माहौल एवं निवेशकों को अपराधियों से सुरक्षा भी सुनिश्चित करेगी।

डोटासरा ने कहा, आज (सोमवार) से राजस्थान सरकार 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इसवेस्टमेंट समिट' 2024 आयोजित कर रही है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसका

उद्घाघाटन करने के लिये राजस्थान पधारे है। हम देश के प्रधानमंत्री और सम्मेलन में भाग ले रहे तमाम उद्योगपतियों का बहुत बहुत हार्दिक स्वागत करते है।

उन्होंने कहा, हम चाहेंगे की राजस्थान में उद्योगपतियों को उद्योग लगाने के लिये राज्य सरकार सुविधाएं दे और पिछले 12 महीने से कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ी हुई है उसको जरूर नियंत्रित करने की आवश्यकता है ताकि उद्योगपति निर्भीक और निडरता के साथ अपना व्यापार कर सके और हमारे नौजवानों को रोजगार मिले, जिससे प्रदेश की प्रगति होगी। डोटासरा ने कहा कि जनता जानना चाहती है कि वास्तव में कितना निवेश हुआ, कितने उद्योग स्थापित हुए, कितने रोजगार सृजित हुए और इस शिखर सम्मेलन पर कितना खर्च हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सम्मेलन के दौरान जो साफ सफाई हुई, वह जारी रहे।

कांग्रेस नेता ने कहा, हमने इस सम्मेलन के लिए सफाई में सुधार देखा है और हमें उम्मीद है कि इस तरह के प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन को केवल सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर तक सीमित नहीं रखना चाहिएँ बल्कि सरकार को लोगों को यह बताना चाहिए कि इसमें से कितना वास्तविक निवेश जमीनी स्तर पर हुआ। कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार को लोगों को यह बताना चाहिए कि शिखर सम्मेलन के दौरान कितना वास्तविक निवेश हुआ, कितने उद्योग स्थापित हुए, कितने रोजगार सृजित हुए और कितना व्यय हुआ।

उन्होंने कहा, राजस्थान की प्रगति में हम सब साथ हैं लेकिन जिस प्रकार का हम वातावरण देख रहे हैं, जो चर्चाएं काफी दिनों से सुन रहे हैं कि राजस्थान सरकार केवल कागजी खानापूर्ति कर एमओयू की बडी श्रृंखला दिखाना चाहती है उससे 'राजस्थान राइजिंग' भी नहीं होगा और प्रदेश के युवाओं को नौकरी भी नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि करार (एमओयू) को धरातल पर उतारने के लिए सरकार को गंभीरता से प्रयास करने होंगे।

अदाणी समूह राजस्थान में विभिन्न क्षेत्रों में 7.5 लाख करोड़ रुपए का करेगा निवेश

जयपुर/दक्षिण भारत। अदाणी समूह राजस्थान में विभिन्न क्षेत्रों में 7.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रहा है।

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक करण अदाणी ने यहां 'राइजिंग राजस्थान शिखर सम्मेलन' में कहा कि कुल निवेश का 50 प्रतिशत अगले पांच वर्षों के भीतर निवेश किया जाएगा। उन्होंने कहा, अदाणी समूह विभिन्न क्षेत्रों में 7.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश करने की योजना बना रहा है। करण अदाणी ने कहा, कंपनी की योजना दुनिया का सबसे बड़ा एकीकृत ऊर्जा परिवेश बनाने की है, जिसमें 100 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा, 20 लाख टन हाइड्रोजन और 1.8 गीगावाट जलविद्युत परियोजनाओं से संबंधित ऊर्जा शामिल हो। उन्होंने कहा कि इस निवेश से राजस्थान में हरित रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे।

आदित्य बिड़ला 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना

जयपुर। आदित्य बिड़ला समूह अगले कुछ वर्षों में राजस्थान में अपने विभिन्न कारोबारों में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रहा है। आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि समूह

के निवेश में अगले एक-दो वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा में 6,000 करोड़ रुपये का निवेश भी शामिल होगा। उन्होंने कहा कि समूह की भारत में छह व्यवसायों में महत्वपूर्ण उपस्थिति है जिनमें सीमेंट, दूरसंचार, फैशन रिटेल आदि शामिल हैं। बिड़ला ने यहां 'राइजिंग राजस्थान निवेश शिखर सम्मेलन' में कहा, हम अपने सभी व्यवसायों में निवेश बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुझे लगता है कि हमारा समूह अगले कुछ वर्षों में सीमेंट, नवीकरणीय ऊर्जा, दूरसंचार और खुदरा क्षेत्र में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा।

राजस्थान की औद्योगिक समृद्धि की आधारशिला है राइजिंग राजस्थान निवेश सम्मेलन : भजनलाल शर्मा

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेश सम्मेलन एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राज्य की औद्योगिक समृद्धि की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में खनिज, प्राकृतिक गैस, पर्यटन, शिक्षा, चिकित्सा, ऑटोमोबाइल समेत विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। शर्मा ने रविवार को भारतीय उद्योग परिसंघ की राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि सीआईआई ने सम्मेलन के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ ही निवेशकों और राज्य सरकार के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य किया है।

मुगलों ने अपनी सभी मस्जिदें मंदिरों के ऊपर बनाईं: प्रवीण तोगड़िया

बदायूं/भाषा। राष्ट्रीय बजरंग दल के अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने दावा किया कि मुगल काल में बनी सभी मस्जिदें मंदिरों को तोड़कर बनाई गई थीं। तोगड़िया ने रविवार शाम यहां बिल्सी इलाके में एक कार्यक्रम के दौरान यह टिप्पणी की।

तोगड़िया का यह दौरा महाकुंभ से पहले उनके पश्चिमी उत्तर प्रदेश दौरे का हिस्सा है। तोगड़िया ने कहा, मुगल काल में बनी सभी मस्जिदें मंदिरों को तोड़कर बनाई गई थीं।

बजरंग दल के अध्यक्ष ने दावा किया कि उन्होंने 12,000 मंदिरों की सूची देखी है, जिन्हें मस्जिद बनाने के लिए तोड़ दिया गया था। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के लोगों के खिलाफ हिंसा पर भी चिंता जताई। तोगड़िया ने कहा, अगर (प्रदर्शनकारियों की) लड़ाई बांग्लादेश सरकार से थी तो हिंदुओं को क्यों मारा गया। देश में ऐसी सरकार होनी चाहिए, जो हिंदुओं की रक्षा कर सके और उचित जवाब दे सके। इस वर्ष अगस्त में बांग्लादेश में शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद से पड़ोसी देश में हिंदू समुदाय सहित धार्मिक अल्पसंख्यकों समुदायों के खिलाफ व्यापक हिंसा की खबरें सामने आई हैं।

कांग्रेस का हाथ देश विरोधी ताकतों के साथ : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस पर हमला तेज करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को विपक्षी पार्टी के नेताओं पर भारत को अस्थिर करने की मंशा रखने वाली 'विदेशी ताकतों' के साथ सांठगांठ करने का आरोप लगाया और सोनिया गांधी से जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित संगठन की गतिविधियों में 'सह-अध्यक्ष' के रूप में अपनी भूमिका का खुलासा करने के लिए कहा।

भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि सुनियोजित तरीके से भारत विरोधी प्रयोग चल रहा है और बिंदु अब जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस का हाथ विदेशी ताकतों के साथ है। यह अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। कांग्रेस देश की हालत को बदतर बनाना चाहती है।''

इससे एक दिन पहले भाजपा ने आरोप लगाया था कि सोनिया गांधी का संबंध जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित संगठन फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स-एशिया पैसिफिक (एफडीएल-एपी) फाउंडेशन से है, जिसने कश्मीर के एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में विचार का समर्थन किया है।

सत्तारूढ़ पार्टी ने 'एक्स' पर किए कई सारे पोस्ट में कहा कि यह संबंध भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी संस्थाओं के प्रभाव को दर्शाता है।

त्रिवेदी ने दावा किया कि सोनिया गांधी एफडीएल-एपी फाउंडेशन की सह-अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा, ''आज सोनिया गांधी का जन्मदिन है। हम उन्हें जन्मदिन की बधाई देते हैं। एफडीएल-एपी जॉर्ज सोरोस द्वारा वित्त पोषित है। विनम्रतापूर्वक, हम उनसे पूछते हैं कि उन्होंने एफडीएल-एपी के सह-अध्यक्ष का पद क्यों स्वीकार किया। कांग्रेस-सोरोस की दोस्ती क्या कहलाती है?'' उन्होंने कहा, ''यह वही जॉर्ज सोरोस हैं जिन्होंने खुले तौर पर वादा किया था कि उन्होंने मोदी सरकार को अस्थिर करने के लिए एक अरब डॉलर का निवेश किया है।''

त्रिवेदी ने इसे गंभीर मामला बताते हुए कहा कि वह और राज्यसभा के अन्य सदस्य इस मुद्दे को उच्च सदन में उठाना चाहते थे लेकिन विपक्ष ने इसकी अनुमति नहीं दी। उन्होंने कहा, ''सोनिया गांधी बहुत वरिष्ठ नेता हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि इसकी गतिविधियों में उनकी क्या भूमिका है।'' भाजपा पिछले हफ्ते से इस मुद्दे को लेकर आक्रामक है। उसने आरोप लगाया था कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के अमेरिका स्थित अरबपति जॉर्ज सोरोस समर्थित संगठनों के साथ संबंध हैं जो कथित तौर पर भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं।

'सशक्त भारत' के निर्माण के लिए 'स्वस्थ भारत' जरूरी : मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'सशक्त भारत' के निर्माण के लिए 'स्वस्थ भारत' को जरूरी बताते हुए सोमवार को कहा कि सरकार हर नागरिक के आरोग्य के लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है।

मुख्यमंत्री महंत दिग्विजयनाथ पार्क में 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों के आयुष्मान वय वंदना कार्ड वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, सशक्त भारत के निर्माण के लिए स्वस्थ भारत जरूरी है। स्वस्थ भारत के लिए हर नागरिक की आरोग्यता के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में केंद्र और प्रदेश सरकार हर स्तर पर पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। आदित्यनाथ ने कहा कि आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना, पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना, आयुष्मान वय वंदना योजना हो या फिर मुख्यमंत्री राहत कोष से जरूरतमंदों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सभी स्वस्थ भारत के जरिये सशक्त भारत के निर्माण की दिशा में बढ़ाए गए कदम हैं। योगी ने इस अवसर पर 19 लाभार्थियों को वय वंदना कार्ड प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार हर जिले में सरकारी अस्पतालों में आईसीयू, डायलिसिस, सीटी स्कैन, कलर डॉपलर, एमआरआई, ब्लड बैंक, ब्लड कंपोनेंट यूनिट जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कर रही है और इसका लाभ बड़े पैमानों पर नागरिकों को मिल रहा है।

किसान समझ गए हैं कि प्रधानमंत्री उनके विरोधी हैं : खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को आरोप लगाया कि किसान न्याय की गुहार लगा रहे हैं क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने उन्हें बार-बार धोखा दिया है। उन्होंने यह दावा भी किया कि अन्नदाता समझ गए हैं कि प्रधानमंत्री मोदी उनके विरोधी हैं। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''अन्नदाता किसान को बार-बार क्यों न्याय के लिए दिल्ली की दहलीज़ पर आना पड़ रहा है, नरेन्द्र मोदी जी? आज जब आप हरियाणा व राजस्थान के दौरे पर होंगे, तो उम्मीद है कि अन्नदाता किसान की जद्दोजहद समझने की कोशिश ज़रूर करेंगे।'' उन्होंने दावा किया कि किसान न्याय की गुहार इसलिए लगा रहे हैं, क्योंकि बार-बार आपकी सरकार ने उन्हें धोखा दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''2022 तक किसानों की आमदनी दोगुनी होने का धोखा, स्वामीनाथन रिपोर्ट के मुताबिक़ लागत + 50% एमएसपी लागू करने का धोखा, एमएसपी को क़ानूनी दर्जा देने के लिए कमेटी बनाने का धोखा, न पर्याप्त खरीदी, न उचित दाम, न कानूनी गारंटी का इंतजाम, ऊपर से खाद-डीएपी व उर्वरकों की भारी क़िल्लत से किसान परेशान।'' उन्होंने कहा, ''आपने (प्रधानमंत्री) किसानों की राह पर कंटीले तारों का जाल बिछाया, फिर से दिल्ली बॉर्डर को छावनी बनाया, आंसू गैस से उनके शांतिपूर्ण कूच को रोकने का प्रयास किया। इससे पहले उन पर रबर की गोलियां दागीं और लाठियां बरसाईं। यही नहीं, संसद में आपने खुद किसानों पर आंदोलनजीवी और परजीवी की अपमानजनक टिप्पणी की और 750 शहीद किसानों की याद में दो मिनट का मौन रखना भी मुनासिब नहीं समझा।''

झारखंड के व्यक्ति ने केंद्रीय मंत्री को धमकी भरा संदेश भेजकर फिरौती मांगी, गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को फिरौती की धमकी वाला संदेश भेजने के आरोप में झारखंड से 46 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि रांची निवासी आरोपी को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया और उससे पूछताछ की जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि रांची से सांसद सेठ को पिछले शुक्रवार को उनके मोबाइल फोन पर एक अज्ञात नंबर से धमकी भरा संदेश मिला था, जिसमें 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई थी। संदेश भेजने वाले ने कथित तौर पर जान से मारने की धमकी भी दी थी।

उत्तर प्रदेश: महाकुंभ में श्रद्धालुओं को मिलेगा खास 'प्रसाद'

महाकुंभनगर/भाषा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में अगले वर्ष जनवरी में आयोजित होने वाले महाकुंभ में श्रद्धालुओं को प्रतिष्ठित बड़े हनुमान मंदिर (लेटे हुए हनुमान मंदिर) से एक विशेष प्रसाद मिलेगा। एक बयान में यह जानकारी दी गयी। राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, एक विशेष अभियान के तहत दुनिया भर से आने वाले श्रद्धालुओं को हनुमान मंदिर से एक विशेष प्रसाद मिलेगा। बयान के मुताबिक, गहन पौराणिक महत्व और आध्यात्मिक श्रद्धा के लिए प्रसिद्ध बड़े हनुमान मंदिर में महाप्रसाद और सप्तऋषि वाटिका के पौधे चढ़ाए जाएंगे, जो आस्था और प्रकृति के बीच सामंजस्यपूर्ण संबंध का प्रतीक हैं। बयान में बताया गया कि इस पहल के तहत बाघंबरी गद्दी और वन विभाग उपस्थित सभी शंकराचार्यों को चंदन और रुद्राक्ष के पौधे भेंट करेंगे।

समान नागरिक संहिता का उद्देश्य सद्भाव और धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देना : न्यायमूर्ति यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति डॉ. शेखर यादव ने कहा कि समान नागरिक संहिता का मुख्य उद्देश्य विभिन्न धर्मों और समुदायों पर आधारित असमान कानूनी प्रणालियों को समाप्त कर सामाजिक सद्भाव लैंगिक समानता और धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देना है।

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) द्वारा जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, न्यायमूर्ति शेखर यादव ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पुस्तकालय हॉल में रविवार को विहिप के विधि प्रकोष्ठ और उच्च न्यायालय इकाई के प्रांतीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा, समानता न्याय और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों पर आधारित समान नागरिक संहिता भारत में लंबे समय से एक बहस का मुद्दा रही है। उन्होंने कहा, एक समान नागरिक संहिता, एक ऐसे सामान्य कानून को संदर्भित करती है जो व्यक्तिगत मामलों जैसे विवाह, विरासत, तलाक, गोद लेने आदि में सभी धार्मिक समुदायों पर लागू होता है। न्यायमूर्ति यादव ने कहा कि समान नागरिक संहिता का उद्देश्य विभिन्न व्यक्तिगत कानूनों को प्रतिस्थापित करना है, जो वर्तमान में विभिन्न धार्मिक समुदायों के भीतर व्यक्तिगत मामलों को नियंत्रित करते हैं। उन्होंने कहा कि इसका लक्ष्य ना केवल समुदायों के बीच, बल्कि एक समुदाय के भीतर भी कानूनों की एकरूपता को सुनिश्चित करना है। न्यायमूर्ति शेखर यादव पहले भी टिप्पणियों को लेकर चर्चा में रहे हैं।

ओडिशा में छह वर्षों में 59,000 लोग ऑनलाइन कारोबार धोखाधड़ी के शिकार हुए : मुख्यमंत्री माझी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोमवार को विधानसभा को बताया कि पिछले छह वर्षों के दौरान राज्य में 59,000 से अधिक लोग ऑनलाइन कारोबार धोखाधड़ी के शिकार हुए हैं। माझी ने एक लिखित बयान में कहा कि 2019 से नवंबर 2024 के बीच राज्य में ऑनलाइन कारोबार धोखाधड़ी के 769 मामले सामने आए और 59,437 लोग इस तरह की ठगी के शिकार हुए।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस विधायक तारा प्रसाद बहिनीपति के सवाल का जवाब देते हुए बताया कि ऑनलाइन कारोबार धोखाधड़ी के अधिकांश मामले 2023 और 2024 में सामने आए। वर्ष 2023 में कुल 18,994 लोगों को ठगने के 190 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2024 में 472 मामलों में 40,270 लोग ठगी का शिकार हुए। उन्होंने कहा कि 2023 में ओडिशा पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने साइबर अपराधियों के खिलाफ ऑनलाइन कारोबार धोखाधड़ी के चार मामले दर्ज किए, जिन्होंने कथित तौर पर 18,804 लोगों के साथ धोखाधड़ी की।

इसी प्रकार, ईओडब्ल्यू ने चालू वर्ष में तीन ऐसे मामले दर्ज किए हैं, जिनमें ऑनलाइन कारोबार के दौरान 40,219 लोगों के साथ धोखाधड़ी की गई।

खरगे, कांग्रेस के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं ने सोनिया को जन्मदिन की बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने सोमवार को पार्टी संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी को जन्मदिन पर बधाई दी और कहा कि वह सार्वजनिक जीवन में सेवा, समर्पण तथा त्याग की मिसाल हैं।

खरगे ने सोनिया गांधी के आवास '10 जनपथ' पर उनसे मुलाकात कर जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन व पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गाधी जी को आज उनके जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। हाशिए पर पड़े लोगों के अधिकारों की सच्ची हिमायती, विपरीत परिस्थितियों में भी अत्यंत शालीनता, गरिमा, त्याग और साहस का परिचय देने वाली श्रीमती गांधी के योगदान ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है।'' खरगे ने कहा, ''मैं उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।'' कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हमारे समय की प्रतिष्ठित नेता, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी जी के जन्मदिन पर उनको मेरी शुभकामनाएं और हार्दिक सम्मान।'' उन्होंने लिखा ''सोनिया गांधी ने कई त्याग किए और भारत के विकास के लिए अद्वितीय योगदान दिया। वह दुनिया भर में लाखों लोगों के लिए प्रेरणा हैं। डॉ. मनमोहन सिंह जी के नेतृत्व में सुशासन के वर्षों के दौरान उनके मार्गदर्शन ने भारत की स्वतंत्रता के बाद विकास की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।''

'इंडि' गठबंधन के मणिपुर के घटक दलों ने कहा: प्रधानमंत्री दौरा करें, गृह मंत्री इस्तीफा दें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) की मणिपुर की पार्टियों ने सोमवार को यहां विरोध प्रदर्शन किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस हिंसा प्रभावित राज्य का दौरा करना चाहिए और गृह मंत्री अमित शाह को ''नैतिक आधार'' पर इस्तीफा देना चाहिए। इन दलों ने यहां जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया।

इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश, लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के महासचिव डी राजा सहित कई विपक्षी नेताओं ने भाग लिया।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''राज्य में अशांति, निरंतर कर्फ्यू, इंटरनेट प्रतिबंध, सभी वस्तुओं की उच्च कीमतें, दवाओं की अनुपलब्धता, निरंतर हिंसा, राजमार्गों की नाकेबंदी, बढ़ती जबरन वसूली, सभी प्रकार की हिंसक धमकियां और गड़बड़ी, पूरी अराजकता ही अराजकता है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि जीवन और संपत्ति के अधिकार का पूरी तरह उल्लंघन हुआ है। रमेश ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन-मणिपुर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपनी मांगों पर जोर देने का संकल्प लिया है।

उनके मुताबिक, इन दलों की यह प्रमुख मांग है कि प्रधानमंत्री मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति की त्वरित बहाली के लिए मणिपुर का तत्काल दौरा करें। कांग्रेस नेता ने कहा, ''केंद्रीय गृह मंत्री को पिछले 19 महीनों से मणिपुर में वर्तमान हिंसा से निपटने में उनकी विफलता के लिए नैतिक आधार पर तुरंत इस्तीफा देना चाहिए।''

उनका कहना था कि मणुपिर के विपक्षी दलों की मांग यह भी है कि मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को हटाया जाना चाहिए।

पिछले 30 वर्षों में पृथ्वी की तीन-चौथाई से अधिक भूमि हुई शुष्क: संयुक्त राष्ट्र

नई दिल्ली/भाषा। वर्ष 2020 तक के तीन दशकों के दौरान पृथ्वी के 77 प्रतिशत से अधिक भू-भाग ने पिछली समान अवधि की तुलना में शुष्क जलवायु का सामना किया। मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र समझौता (यूएनसीसीडी) द्वारा सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह कहा गया है।

इसी अवधि के दौरान, वैश्विक शुष्क भूमि का विस्तार लगभग 43 लाख वर्ग किलोमीटर हुआ, जो भारत से लगभग एक तिहाई बड़ा है, तथा अब यह पृथ्वी के 40 प्रतिशत से अधिक भू-भाग पर फैला हुआ है। सऊदी अरब के रियाद में आयोजित यूएनसीसीडी के 16वें सम्मेलन में जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को रोकने के प्रयास विफल हो गए, तो इस सदी के अंत तक दुनिया के तीन प्रतिशत आर्द्र क्षेत्र शुष्क भूमि में बदल जाएंगे। पिछले तीन दशकों में शुष्क भूमि पर रहने वाले लोगों की संख्या दोगुनी होकर 2.3 अरब हो गई है। अनुमानों के अनुसार, जलवायु परिवर्तन की सबसे बदतर स्थिति में 2100 तक पांच अरब लोगों को शुष्क भूमि पर रहना पड़ सकता है। रिपोर्ट में है कि इतनी बड़ी आबादी को जलवायु परिवर्तन के कारण शुष्कता और मरुस्थलीकरण में वृद्धि के कारण अपने जीवन और आजीविका के लिए और भी अधिक खतरों का सामना करना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और मंत्रियों ने विधानसभा सदस्य के रूप में शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विधानसभा के चार दिवसीय सत्र के पहले दिन सोमवार को सदन के सदस्य के रूप में शपथ ली। हेमंत सोरेन के मंत्रिमंडल में संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दीपक बिरुआ और श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव ने भी विधानसभा सदस्य के रूप में शपथ ली।

सदन की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होने के तुरंत बाद विधानसभा के 'प्रोटेम स्पीकर' स्टीफन मरांडी ने मुख्यमंत्री और मंत्री समेत 80 निर्वाचित प्रतिनिधियों को विधायक के रूप में शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण कार्यक्रम के बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। मुख्यमंत्री ने बाद में संवाददाताओं से कहा, ''आज सभी विधायकों और मंत्रियों ने शपथ ली। कल विधानसभा में आगे की कार्यवाही होगी। विधानसभा के एक अधिकारी ने बताया कि अध्यक्ष का चुनाव मंगलवार को होगा।

कपिल ने रोहित का समर्थन करते हुए कहा, कप्तान को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। महान क्रिकेटर कपिल देव ने सोमवार को कहा कि रोहित शर्मा की वापसी करने की क्षमता पर संदेह नहीं करना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आलोचनाओं से घिरे भारतीय कप्तान को अपने करियर के इस चरण में खुद को साबित करने की जरूरत नहीं है।

एडीलेड में गुलाबी गेंद के टेस्ट में रोहित ने मध्य क्रम में बल्लेबाजी करते हुए तीन और छह रन बनाए थे। प्रशंसकों और पूर्व खिलाड़ियों ने नरम रुख के लिए उनकी आलोचना की थी। भारत ने ढाई दिन में मैच 10 विकेट से गंवा दिया। कपिल ने यहां दिल्ली गोल्फ क्लब में एक कार्यक्रम के दौरान कहा, ''उसे खुद को साबित करने की जरूरत नहीं है। वह कई वर्षों से ऐसा करता आ रहा है इसलिए हमें किसी पर संदेह नहीं करना चाहिए। मैं उस पर संदेह नहीं करूंगा। मुझे उम्मीद है कि वह फॉर्म में वापस आ जाएगा, यह महत्वपूर्ण है।'' रोहित अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण शुरुआती टेस्ट में नहीं खेले थे। सलामी बल्लेबाज के तौर पर अपने अधिकांश रन बनाने के बावजूद 37 वर्षीय रोहित दूसरे टेस्ट में छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे जिससे लोकेश राहुल को पारी का आगाज करने का मौका मिला जिन्होंने पर्थ में टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। कपिल ने कहा, ''एक या दो प्रदर्शन के आधार पर, अगर आपको किसी की कप्तानी पर संदेह है। मेरा मतलब है कि सिर्फ छह महीने पहले जब उसने टी20 विश्व कप जीता था तो आपने यह सवाल नहीं पूछा होता। इसे जाने दीजिए, उसकी क्षमता और प्रतिभा को जानते हुए, वह वापसी करेगा। वह मजबूती से वापसी करेगा।'' यह पूछे जाने पर कि क्या दूसरे टेस्ट में युवा हर्षित राणा को शामिल करना एक गलती थी, कपिल ने कहा: ''मैं कोई नहीं हूं। मैं कैसे फैसला कर सकता हूं? वहां ऐसे लोग हैं जिनके पास यह तय करने की जिम्मेदारी है कि टीम में किसे होना चाहिए।'' रोहित की अनुपस्थिति में उपकप्तान जसप्रीत बुमराह की अगुआई में पर्थ में भारत को 295 रन से जीत दर्ज की। यह पूछे जाने पर कि क्या बुमराह रोहित से कमान संभालने के लिए अच्छी तरह से तैयार हो रहे हैं, कपिल ने कहा, ''मुझे लगता है कि इस बारे में बात करना जल्दबाजी होगी। एक प्रदर्शन के आधार पर आप यह नहीं कह सकते कि वह सर्वश्रेष्ठ है और एक खराब प्रदर्शन के आधार पर आप यह नहीं कह सकते कि वह इसके लायक नहीं हैं।''

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहली पूर्ण परीक्षण उड़ान के तहत उतरा इंडिगो का ए320 विमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोएडा/भाषा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में बन रहे नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार को पहली पूर्ण परीक्षण उड़ान के तहत इंडिगो का एयरबस 320 विमान उतरा जिसका स्वागत पारंपरिक रूप से पानी की बौछार करके किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यह ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर क्षेत्र में बनाया जा रहा है, जो दिल्ली से लगभग 75 किलोमीटर दूर है। यह दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का दूसरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा। स्विट्जरलैंड की कंपनी ज्यूरिख इंटरनेशनल एयरपोर्ट एजी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड, सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल में उत्तर प्रदेश सरकार के लिए हवाई अड्डे का निर्माण कर रही है। पूर्ण परीक्षण उड़ान का संचालन यह सत्यापित करने के लिए किया जाता है कि हवाईअड्डा सुरक्षा, परिचालन और विनियामक मानकों को पूरा कर रहा है या नहीं। इस अवसर पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा, ''आज पूर्ण परीक्षण उड़ान के साथ, हम अगले साल अप्रैल के अंत से पहले हवाईअड्डा परियोजना को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

सुविचार

जब इंसान की जरूरत बदल जाती है तो उसका आपसे बात करने का तरीका भी बदल जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उसी 'बिंदु' पर बांग्लादेश

बांग्लादेश में बीएनपी के एक वरिष्ठ नेता द्वारा भारतीय साड़ी जलाए जाने की घटना ने इस पड़ोसी देश को इतिहास के उसी बिंदु पर लाकर खड़ा कर दिया, जहां जुल्फिकार अली भुट्टो (पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री) ने संरा सुरक्षा परिषद में एक दस्तावेज को फाड़कर कहा था– 'मैं अपना समय यहां क्यों बर्बाद करूं?' दरअसल वर्ष 1971 के इसी दिसंबर महीने में भुट्टो ने वह दस्तावेज फाड़कर एक तरह से पाकिस्तान का नक्शा ही फाड़ दिया था। अब बीएनपी के नेता सिर्फ भारतीय साड़ी नहीं जला रहे। असल में, वे अपने देश का भविष्य जला रहे हैं, अपने लोगों की खुशहाली व समृद्धि को खाक में मिला रहे हैं। उनकी देखादेखी बांग्लादेश में कुछ लोग भारतीय उत्पादों के 'बहिष्कार' के तौर पर उन्हें आग के हवाले कर रहे हैं। बांग्लादेशी नेताओं को स्वतंत्रता है कि वे अपनी इच्छा के अनुसार, किसी उत्पाद को पसंद करें या न करें, लेकिन वे 'बहिष्कार' के नाम पर जिस तरह भारतविरोधी भावनाएं भड़का रहे हैं, उससे उन्हें गंभीर नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं। पिछले एक दशक में बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था ने अच्छा प्रदर्शन किया है। कई क्षेत्रों में उसकी प्रगति संतोषजनक रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह है– भारत की ओर से मिलने वाला सहयोग। अगर दिल्ली की ओर से मदद का हाथ न बढ़ाया जाता तो ढाका की दुर्दशा होते देर नहीं लगती। खैर, यह कसर अब मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बीएनपी के कट्टरपंथी पूरी कर देंगे। उसके एक नेता का यह बयान कि 'बांग्लादेश किसी का मोहताज नहीं है, वह अपनी जरूरत की सभी चीजों का उत्पादन कर सकता है', को हमें गंभीरता से लेने की जरूरत है।

भारत ने जब-जब बांग्लादेश की मदद की, उसे एक मित्र राष्ट्र समझकर की। अगर बीएनपी के नेताओं को लगता है कि वे सभी चीजों के मामले में आत्मनिर्भर हैं तथा उन्हें भारत समेत किसी देश की कोई जरूरत नहीं है तो उनकी 'भविष्य की यात्रा' के लिए शुभकामनाएं हैं। वे बिना किसी सहयोग के अपने देश को छह महीने ही चलाकर दिखा दें! आज वैश्विक व्यापार और तकनीक के दौर में कोई भी अक्लमंद नेता यह बात नहीं कह सकता कि हम सबकुछ अपने यहां पैदा कर सकते हैं, हमें किसी की जरूरत नहीं है। यहां तक कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था भी दुनिया के कई देशों पर निर्भर करती है। आज एक देश में कोई उथल-पुथल होती है तो उसका असर अन्य देशों में देखा जा सकता है। याद करें, जब मार्च 2003 में अमेरिका के नेतृत्व वाली सेना ने इराक में हमले किए थे तो तेल की कीमतों में उछाल आ गया था। साल 2020 में जब चीन में कोरोना वायरस का प्रसार तेजी से होने लगा तो कई देशों में शेयर बाजार गिरने लगे थे, मुद्राओं का अवमूल्यन होने लगा था। फरवरी 2022 में जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तो कई देशों में ईंधन (खासकर रसोई गैस) और गेहूं के दाम बढ़ गए थे। हाल में अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप के जीतते ही बिटकॉइन ने लंबी छलांग लगाई थी, जबकि ईरानी मुद्रा में भारी गिरावट आ गई थी। जो देश दुनिया के साथ व्यापारिक संबंध रखता है और आर्थिक विकास को प्राथमिकता देता है, उस पर अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम का असर कहीं-न-कहीं जरूर पड़ता है। हां, इस समय एक देश ऐसा है, जो इन घटनाओं के असर से काफी हद तक 'सुरक्षित' है। दुनिया के शेयर बाजार गिरें या उठें, वैश्विक आपूर्ति बाधित हो या न हो, विभिन्न संस्थान एआई के साथ कदम मिलाते हुए आगे बढ़ें या पिछली सदी में लौट जाएं ... उसकी सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता। वह है– अफगानिस्तान। अगर बांग्लादेशी भी एक 'अर्थशास्त्री' के नेतृत्व में इसी तरह 'आत्मनिर्भर' होना चाहते हैं तो उन्हें इससे कोई नहीं रोक रहा है।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान लिख रहा है, सौर ऊर्जा से अपने विकास की नई कहानी। हर गांव, हर घर को सौर ऊर्जा से रोशन करने के अपने संकल्प पर मजबूती से आगे बढ़ रहा है राजस्थान। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, और नई तकनीकों से प्रदेश को पर्यावरण के प्रति सजग बनाया जा रहा है।

–भजनलाल शर्मा

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने चीन के साथ भारत के संबंधों पर संसद में विदेश मंत्री के बयान का गंभीरतापूर्वक अध्ययन किया है। विदेश मंत्री के उस बयान पर किसी भी तरह के स्पष्टीकरण की मांग नहीं रखने दी गई थी।

–गोविंद सिंह डोटासरा

भगवान श्री विष्णु के अवतार श्री देवनारायण जी महाराज की जन्मस्थली और माता साडू की अखंड तपोभूमि मालासेरी डूंगरी, आसींद में दर्शन कर सर्व कल्याण की प्रार्थना की। इस अवसर पर आयोजित महाभक्ति कार्यक्रम में सम्मिलित होकर अपार हर्ष का अनुभव हुआ।

–ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

मानवता की रक्षा

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजी जर्मनी ने डेनमार्क पर कब्जा कर लिया था। डेनमार्क के यहूदी नागरिकों को गिरफ्तार करने और यातना शिविरों में भेजने की योजना बनाई जा रही थी। उस समय डेनमार्क के राजा क्रिश्चियन दसवें ने एक अभूतपूर्व कदम उठाया। उन्होंने घोषणा की कि वे स्वयं पीले रंग का सितारा अपने कोट पर पहनेंगे, जो कि यहूदियों की पहचान का प्रतीक था। राजा क्रिश्चियन दसवें ने कहा, 'हम सभी डेनिश नागरिक हैं। हमारे बीच कोई भेदभाव नहीं है।' राजा के इस साहसिक कदम से प्रेरित होकर डेनमार्क के हजारों नागरिकों ने भी अपने कपड़ों पर पीले सितारे लगा लिए। इससे नाजी सैनिकों के लिए यह पहचानना असंभव हो गया कि कौन यहूदी है और कौन नहीं। इस दौरान डेनमार्क के मछुआरों और नाविकों ने अपनी छोटी-छोटी नौकाओं में यहूदी परिवारों को छिपाकर रात के अंधेरे में स्वीडन की ओर ले जाना शुरू कर दिया। इस पूरे अभियान में डेनमार्क के चर्च, विश्वविद्यालय और यहां तक कि पुलिस-प्रशासन ने भी सहयोग दिया। उन्होंने यहूदी परिवारों को छिपाने, उन्हें भोजन और आश्रय देने में भरपूर मदद की।

सामयिक

मानवता के लिए सार्थक बने मानवाधिकार दिवस

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 10 दिसम्बर 1948 को विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र जारी कर प्रथम बार मानवाधिकार व मानव की बुनियादी मुक्ति पर घोषणा की थी। वर्ष 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसम्बर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। 73 वर्ष पहले पारित हुआ विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर हैं। जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। 10 दिसंबर 2024 को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 76वीं वर्षगांठ है। 2024 में मानवाधिकार दिवस की थीम असमानताओं को कम करना और मानव अधिकारों को आगे बढ़ाना है। कहने में मानवाधिकार शब्द बहुत बड़ा है। क्योंकि मानवाधिकारो से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है। आज के दौर में कोई भी मानव को उनके वास्तविक अधिकार नहीं देना चाहता है। राजनेता मानव अधिकार की बात तो जोरशोर से करते हैं। मगर जब अधिकार देने की बारी आती है तो पीछे खिसकने लगते हैं। राज नेताओं को पता है कि यदि लोगों को उनके अधिकार मिल गये तो तो उनकी नेतागिरी बन्द हो जायेगी। हमारे देश के संविधान में मानव को बहुत सारे अधिकार दिये गये हैं। मगर उन पर अमल नहीं हो पाता है। मानव अधिकारों की रक्षा के लिये बनाये गये कानून महज कागजो में सिमट कर रह जाते हैं।

मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत रहा है। कुछ अधिकार ऐसे होते है जो व्यक्ति को जन्मजात मिलते है। उन अधिकारों का व्यक्ति के आयु, प्रजातीय मूल, निवास-स्थान, भाषा, धर्म पर कोई असर नहीं पड़ता।

भारत में 28 सितम्बर 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर 1993 में सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत, अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 14,15,16,17,19,20,21,23,24,39,43,45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के सुनिश्चित हैं।

देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा, तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है, जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी अंतर्भूक्त है।

संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ-साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने-जाने की भी आजादी दी गई है। भारतीय परिदृश्य में यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल है कि क्या वाकई में मनुष्य के लिए चिन्हित किये गए मानवाधिकारों की सार्थकता है।

इतिहास गवाह है की भारत ने कभी भी संस्कृति, धर्म या अन्य कारकों के आधार पर दूसरों को अपने अधीन करने की कोशिश नहीं की है। भारत एक ऐसा देश है जिसके मूल में मानवाधिकार की अवधारणा है। भारत के लोग मानवाधिकारों का सम्मान करते हैं और उनकी रक्षा करने का संकल्प भी लेते हैं। भारत विश्व स्तर पर आज भी मानवाधिकार का समर्थन करता रहा है। मानवाधिकार दिवस की नींव विश्व युद्ध की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस कर रखी गई थी। किसी भी इंसान की जिन्दगी, आजादी, बराबरी और सम्मान के अधिकार का नाम ही मानवाधिकार है। भारतीय संविधान इन अधिकारों की न सिर्फ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोडने वाले को अदालत सजा भी देती है।

पूरी दुनिया में मानवता के खिलाफ हो रहे जुल्मों-सितम को रोकने, उसके खिलाफ संघर्ष को नई परवाज देने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर शख्स को बराबरी का अधिकार देना लोकतंत्र का अहम घटक है। यही वजह है कि आज ज्यादातर सरकार इस अधिकार को कायम करने की कोशिश कर रही है। इंसानी अधिकार हमारे अस्तित्व और दुनिया में आत्मसम्मान से रहने की गारंटी होते हैं। हमारी भौतिक और आत्मिक सुरक्षा बरकरार रखते हुए लगातार तरक्की में अहम होते हैं। इसके अंतर्गत भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, शोषण से रक्षा का अधिकार, प्रवास का अधिकार, बाल शोषण, उत्पीडन पर रोक, महिला हिंसा, असमानता, धार्मिक हिंसा पर रोक जैसे कई मजबूत कानून बनाए गए हैं। यही वजह है कि हर लोकतांत्रिक देश मानवाधिकार अधिकारों की सशक्त पैरवी करते नजर आते हैं।

इस दुनिया में जो भी मानव जन्म लेता है उसके साथ उसके कुछ अधिकार भी वजूद में आते हैं। कुछ अधिकार हमें परिवार देता है तो कुछ समाज, कुछ अधिकार हमारा मुल्क देता है, तो कुछ दुनिया। लेकिन आज भी दुनिया में बहुत से लोग ऐसे हैं जो या तो अपने अधिकारों से अंजान है या उनके अधिकारों का हनन किया जा रहा है।

कभी जात के नाम पर तो कभी धर्म के नाम पर, कभी लिंग भेदभाव के जरिए तो कभी रंग भेद नीति को अपनाकर लोगों के इन अधिकारों को कुचला जा रहा है। हर तबके, हर शहर और दुनिया के कोने-कोने में किसी न किसी वजह से लोगों को बराबरी के हक से महरूम रखने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। इतिहास गवाह है कि दुनिया में हुई बड़ी से बड़ी क्रांति के पीछे अधिकारों का हनन ही अहम वजह रही है। हमेशा ही अपने अधिकारों के लिए इंसान को लंबी जंग लडनी पड़ी है। दुनिया में तमाम जगह लोगों ने अपन हक की लड़ाई में लाखों कुर्बानियां दी हैं और आज भी बहुत से लोग अपने अधिकारों की जंग लड़ रहे हैं।

मानवाधिकारों की रक्षा के लिए कानून बनाये गए और उनको लागू करने या करवाने के लिए प्रयास भी हो रहे हैं। लेकिन वह सिर्फ कागजी दस्तावेज बन कर रह गए हैं। समाज में मानवाधिकारों के होने वाले उल्लंघन के प्रति अगर मानव ही जागरूक नहीं है तो फिर इनका औचित्य क्या है? देखे तो पता चलेगा की कितने मानवाधिकारों का हनन मानव के द्वारा ही किया जा रहा है। मानव के द्वारा मानव के दर्द को पहचानने और महसूस करने के लिए किसी खास दिन की जरूरत नहीं होती है। अगर हमारे मन में मानवता है ही नहीं तो फिर हम साल में पचासों दिन ये मानवाधिकार का झंडा उठा कर घूमते रहें कुछ भी नहीं किया जा सकता है।

सरकार भी मानवाधिकारो का हनन रोक पाने में पूर्णतया सफल नहीं हो पा रही है। देश में आये दिन मानवाधिकार हनन की घटनायें घटित होती रहती है। मगर सरकारी स्तर पर शख्त कार्यवाही अमल में नहीं लायी जाती है। जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृति पर रोक लग सके। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि तमाम प्रादेशिक, राष्ट्रीय और अन्तरर्राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय सरकारी और गैर सरकारी मानवाधिकार संगठनों के बावजूद मानवाधिकारों का लगातार हनन होता रहता है।

नजरिया

कैसे बढ़े चुनावों में मतदान का प्रतिशत?

डॉ. आरके सिन्हा

महाराष्ट्र और झारखंड विधान सभाओं के लिए हुए चुनावों के नतीजे आ चुके हैं। अब दोनों राज्यों में नई सरकारों का गठन भी हो गया है । झारखंड और महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री और कुछ मंत्रियों ने शपथ भी ले ली है। महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव में 65 फीसद से अधिक मतदान हुआ है, जो पिछले 30 वर्षों में सबसे अधिक है। यह दो कारणों से उल्लेखनीय है: पहला, यह 2024 के लोकसभा चुनाव के आंकड़े से लगभग चार प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है; और दूसरा, यह चुनावों में औसत राष्ट्रीय मतदान के करीब है, जो लगभग 65-66 प्रतिशत आंका गया है। लेकिन, प्रश्न यह उठता है कि क्या मतदान का यह प्रतिशत क्या किसी भी मजबूत लोकतंत्र के लिये पर्याप्त है? बिल्कुल नहीं! तो फिर किया क्या जाये! पर यह तो पूरे तो पूरे देश के सभी जिम्मेदार नागरिकों को यह सोचना ही होगा कि चुनावों में मतदान को कैसे बढ़ाया जा सकता है। यह गंभीर मसला है। जैसा कि मैंने ऊपर कहा है कि महाराष्ट्र विधान सभा के लिए हुए चुनाव में 65 फीसद से अधिक मतदान हुआ है, जो पिछले 30 वर्षों में सबसे अधिक है। यह दो कारणों से उल्लेखनीय है: पहला, यह 2024 के लोकसभा चुनाव के आंकड़े से लगभग चार प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है; और दूसरा, यह चुनावों में औसत राष्ट्रीय मतदान के करीब है, जो लगभग 65-66 प्रतिशत आंका गया है। महाराष्ट्र के आंकड़ों पर इसलिए गौर किया जाता है क्योंकि राज्य में देश की सबसे बड़ी शहरी आबादी है, और ऐतिहासिक रूप से यह शहरों और कस्बों में कम मतदान के कारण औसत राष्ट्रीय मतदान से पीछे रहा है।

हालांकि, महाराष्ट्र के आंकड़े का गहराई से अध्ययन करने पर पता चलता है कि शहरी क्षेत्रों में मतदान के प्रति उदासीनता पूरी तरह से गायब नहीं हुई है। उदाहरण के लिए, पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में 76.25 प्रतिशत का उच्च मतदान दर्ज किया गया, उसके बाद गढ़चिरौली का स्थान है, जो माओवादियों की गतिविधियों के लिए सुर्खियों में रहता है, जहाँ 73.68 प्रतिशत मतदान हुआ है, जबकि मुंबई शहर जिले में 52.07 प्रतिशत का कम मतदान हुआ। पुणे, ठाणे और मुंबई उपनगरीय जैसे अन्य शहरी जिलों में भी इसी तरह के आंकड़े दर्ज किए गए हैं। हालांकि, सकारात्मक पहलू यह है कि पूरे राज्य में मतदान में समग्र सुधार हुआ है। इस बदलाव का श्रेय, हालांकि अपेक्षाकृत धीमा और क्रमिक है, इसका मुख्य रूप से श्रेय भारत के वर्तमान चुनाव आयोग को जाता है। मतदान बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग इस बार काफी सक्रिय था। इसके अभियान में, सोशल मीडिया सहित, स्थानीय हस्तियों - क्रिकेटरों से लेकर फिल्म सितारों तक को भी शामिल किया गया है, और इसमें ऊँची इमारतों और आवासीय सोसायटियों में मतदान केंद्र स्थापित करना और कतार में लगने के समय को कम करने के लिए टोकन प्रणाली शामिल है। राजनीतिक दलों के उच्च-वोल्टेज अभियानों ने भी मतदाता भागीदारी बढ़ाने में मदद की है।महाराष्ट्र में बेहतर मतदान भारतीय लोकतंत्र के लिए आश्वस्त करने वाला है।

देश के शहरी इलाकों में मतदान कमोबेश कम ही रहता है। शिमला से सूरत तक शहरी मतदाता की उदासीनता लगातार बनी हुई है। यह रुझान नया नहीं है। चुनावों के पहले तीन दशकों में, शहरी मतदाताओं की भागीदारी काफी बेहतर रहती थी। 1980 के दशक से शहरी और ग्रामीण मतदान के बीच का अंतर बढ़ गया है। शहरी उदासीनता को समझना होगा। शहरी भारत का जीडीपी में 60 प्रतिशत और करों में बहुत बड़ा हिस्सा है। पर हमारे यहां के शहरों की हालत लगातार खराब हो रही है। आजकल दिल्ली में प्रदूषण का स्तर जिस तरह का हो गया है, उसने आम लोगों का जीना दूधर कर दिया है। दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी बन गई है। यह तो राजधानी की हालत है। गुजरे कुछ सालों के दौरान दिल्ली, मुंबई, चैन्नई, बैंगलुरु जैसे देश के अति अहम महानगर बारिश से जलमग्न होते रहे। इनमें जिंदगी कई दिनों तक थमी रही। सड़कों पर जलभराव के कारण जाम लग गए, रेल सेवा प्रभावित हुई, घरों में पानी जाता रहा, स्कूल-कॉलेज बंद हो गए। देश के इन खासमखास शहरों की तस्वीर बहुत कुछ बयां कर गई। यह कोई पहली बार नहीं हुआ। यह स्थिति हर साल होती है, योजनाएं बनती हैं ताकि बारिश के बाद होने वाली अव्यवस्था और अराजकता की पुनरावृत्ति ना हो। पर योजनाएं फाइलों में गुम हो जाती हैं। यह समझना होगा कि शहरी भारत, देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। देश का लगभग सारा सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर) शहरों में ही सिमटा है। जनगणना के आंकड़ों को माने तो देश की 31 फीसद आबादी शहरों में रहती है। हालांकि गैर-सरकारी आंकड़ें शहरी आबादी कहीं अधिक होने का दावा करते हैं। इन शहरों में रोजगार के अवसर हैं। सारे देश के नौजवानों के सपने इन्हीं शहरों में पहुंचकर साकार होते हैं। पर नीति निर्धारकों के फोकस से कहीं दूर बसते हैं शहर।

महाराष्ट्र के आंकड़े का गहराई से अध्ययन करने पर पता चलता है कि शहरी क्षेत्रों में मतदान के प्रति उदासीनता पूरी तरह से गायब नहीं हुई है। उदाहरण के लिए, पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में 76.25 प्रतिशत का उच्च मतदान दर्ज किया गया, उसके बाद गढ़चिरौली का स्थान है, जो माओवादियों की गतिविधियों के लिए सुर्खियों में रहता है, जहाँ 73.68 प्रतिशत मतदान हुआ है, जबकि मुंबई शहर जिले में 52.07 प्रतिशत का कम मतदान हुआ। पुणे, ठाणे और मुंबई उपनगरीय जैसे अन्य शहरी जिलों में भी इसी तरह के आंकड़े दर्ज किए गए हैं।

जाहिर है, इस कारण से मतदाता निराश होने लगता है अपने जनप्रतिनिधियों से। उसे लगता है कि जब उसके नेता निकम्मे होंगे तो वह वोट क्यों करे। मतदाताओं को नेता बार-बार निराश करते हैं। इसलिए जनप्रतिनिधियों को समझना होगा कि अगर देश में मतदान केन्द्रों की तरफ फिर से मतदाताओं को बड़े पैमाने पर लाना है, तो उसकी जिम्मेदारी सिर्फ चुनाव आयोग की ही नहीं है। उन्हें भी जनता से सीधा संपर्क बनाकर रखना होगा। उन्हें भी जनता के मसलों को लेकर संवेदनशील बनना होगा।

आपको याद ही होगा पिछले लोकसभा चुनाव के वक्त लगभग सारे में देश सूरज देवता आग उगल रहे थे। फिर भी मतदाता मतदान करने के लिए घरों से निकल रहे थे। मतदान वाले दिन कई जगहों में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर था। लू भी चल रही है। इतने कठोर मौसम में चुनाव प्रचार करना और फिर मतदान करने के लिए मतदान केन्द्रों के बाहर लंबी लाइन लगाकर खड़ा होना सामान्य बात नहीं थी। इतने खराब मौसम में भी देश के लाखों-करोड़ों मतदाता घरों से निकलकर वोट तो दे ही रहे थे । यह सुखद भी है और हमारे मजबूत लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत भी है। आखिर देश के जनमानस को पता है कि उनके वोट से ही देश की तकदीर लिखी जाएगी। इसलिए ही लोग वोट देकर अपने लोकतांत्रिक अधिकार का भरपूर इस्तेमाल करते हैं।

पहले से ही सक्रिय, चुनाव आयोग को अधिक से अधिक मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए, मतदान केंद्रों को अधिक सुलभ और आकर्षक बनाना होगा। इसमें पर्याप्त पार्किंग और आरामदायक प्रतीक्षा क्षेत्र जैसे सुधार शामिल हो सकते हैं। दिव्यांग मतदाताओं को उनके घर में ही वोट देने की सुविधा दी जा सकती है। फिलहाल तो दिव्यांग जनों को मतदान केन्द्रों में काफी कष्ट होता है। इस तरफ गंभीरता से सोचना होगा। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि पंचायत, नगरपालिका, विधान सभा और लोकसभा चुनावों में मतदान को बढ़ाने की जिम्मेदारी सिर्फ चुनाव आयोग की ही नहीं है। इस दिशा में कई स्तरों पर काम करना जरूरी है।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पावरग्रिड अंतर-क्षेत्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट का बेंगलूरु में हुआ आग़ाज़

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के तहत महारत्न एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम 'पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड' अपने दक्षिणी क्षेत्र-2 के तहत बेंगलूरु में अंतर-क्षेत्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन कर रहा है। इसका उद्घाटन पादुकोण-द्रविड़ खेल उत्कृष्टता केंद्र में पावरग्रिड के निदेशक (वित्त) जी रविशंकर ने किया। उद्घाटन समारोह के दौरान कार्यकारी निदेशक (एसआर-2) टीआर कृष्णकुमार और क्षेत्रीय कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

इस चार दिवसीय अंतर-क्षेत्रीय टूर्नामेंट में पावरग्रिड के ग्यारह क्षेत्रों- उत्तरी क्षेत्र-1, उत्तरी क्षेत्र-2, उत्तरी क्षेत्र-3, पूर्वी क्षेत्र-1, पूर्वी क्षेत्र-2, पश्चिमी क्षेत्र-1, पश्चिमी क्षेत्र-2, उत्तर पूर्व क्षेत्र, दक्षिणी क्षेत्र-1, दक्षिणी क्षेत्र-2 और कॉर्पोरेट सेंटर की टीमें नॉकआउट कम लीग आधार पर मैचों में मुकाबला करेंगी। फाइनल मैच 12 दिसंबर को होगा।

अगर हम कनाडा, मैक्सिको को सब्सिडी दे रहे हैं तो वे अमेरिका का हिस्सा बन जाएं : ट्रंप

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि अमेरिका अपने दो पड़ोसी देशों कनाडा और मैक्सिको को क्रमश: 100 अरब डॉलर और 300 अरब डॉलर की सब्सिडी दे रहा है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा है तो इन दोनों देशों को अमेरिका का हिस्सा बन जाना चाहिए।

ट्रंप (78) ने धमकी दी है कि अगर कनाडा और मैक्सिको ने अपने अपने क्षेत्रों से अमेरिका में अवैध अप्रवासियों के प्रवाह को नहीं रोका तो वह दोनों देशों पर भारी शुल्क लगा देंगे।

ट्रंप ने 'एनबीसी न्यूज' को दिए साक्षात्कार में कहा, ''हम कनाडा को हर साल 100 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की सब्सिडी दे रहे हैं। हम मैक्सिको को लगभग 300 अरब अमेरिकी डॉलर की सब्सिडी दे रहे हैं। हमें सब्सिडी नहीं देनी चाहिए। हम इन देशों को सब्सिडी क्यों दे रहे हैं? अगर हम उन्हें सब्सिडी दे रहे हैं, तो उन्हें (अमेरिका का) एक राज्य बन जाना चाहिए।''

अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद रविवार के 'टॉक शो' में ट्रंप का यह पहला साक्षात्कार था। उन्होंने कहा, ''हम मैक्सिको को सब्सिडी दे रहे हैं, हम कनाडा को सब्सिडी दे रहे हैं और हम दुनिया भर के कई देशों को सब्सिडी दे रहे हैं।

मुलाकात

बैडमिंटन खिलाड़ी पी.वी. सिंधु और पॉसाइडेक्स टेक्नोलॉजीज के कार्यकारी निदेशक वेंकट दत्ता साई ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की।

संबंधों में तनाव के बीच भारत, बांग्लादेश के विदेश सचिवों ने ढाका में बैठक की

ढाका/भाषा। संबंधों में तनाव के बीच विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने सोमवार को यहां अपने बांग्लादेशी समकक्ष मोहम्मद जशीमुद्दीन के साथ बैठक की। अगस्त में प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के अपदस्थ होने के बाद भारत की ओर से यह पहला उच्च-स्तरीय दौरा है। मिसरी की यह यात्रा हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं सहित अल्पसंख्यकों पर हमलों को लेकर नई दिल्ली और ढाका के बीच संबंधों में बढ़ते तनाव के बीच हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि मिसरी भारतीय वायुसेना के विमान से ढाका पहुंचे। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हवाई अड्डे पर उनकी अगवानी की। भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा भी हवाई अड्डे पर मौजूद रहे।

यहां पहुंचने के तुरंत बाद मिसरी ने जशीमुद्दीन के साथ बैठक की। बांग्लादेश विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, ''हमारे विदेश सचिव जशीमुद्दीन और उनके समकक्ष विक्रम मिसरी के बीच बैठक राज्य अतिथि गृह में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार हो रही है। पहले उन्होंने आमने-सामने संक्षिप्त बातचीत की और फिर दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों के साथ औपचारिक बैठक शुरू हुई।'' अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेशी पक्ष सोमवार को वार्ता के बारे में मीडिया को जानकारी देगा, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों के सभी मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

मिसरी बांग्लादेश के कार्यवाहक विदेश मंत्री मोहम्मद तौहीद हुसैन से भी मुलाकात करेंगे। उनका बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस से शिष्टाचार भेंट करने का भी कार्यक्रम है।

माना जा रहा है कि वह हिंदुओं पर हमलों को लेकर भारत की चिंताओं को ढाका के समक्ष उठाएंगे। अगस्त में बड़े पैमाने पर सरकार-विरोधी प्रदर्शनों के चलते तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था। हसीना के भारत में शरण लेने के कुछ दिनों बाद ही यूनुस ने अंतरिम सरकार की बागडोर संभाल ली थी। पड़ोसी देश में हुए घटनाक्रम के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों में तनाव आ गया।

हालिया हफ्तों में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों और हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद दोनों देशों के संबंध और भी तनावपूर्ण हो गए। त्रिपुरा के अगरतला में बांग्लादेश उप उच्चायोग में प्रदर्शनकारियों के जबरन घुसने के मामले पर भी दोनों देशों के संबंधों पर असर पड़ा। पिछले कुछ हफ्तों में पड़ोसी देश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं के साथ-साथ मंदिरों पर हमलों की घटनाएं हुई हैं, जिसे लेकर नई दिल्ली द्वारा गहरी चिंता जताई गई है।

'आप कब्जा करने आएंगे तो हम क्या बैठकर लॉलीपाप खाते रहेंगे' : ममता का बांग्लादेशी नेताओं पर कटाक्ष

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कुछ बांग्लादेशी नेताओं के इन भड़काऊ बयानों पर सोमवार को कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की जिनमें कहा गया है कि बांग्लादेश कुछ ही दिनों में बंगाल, बिहार और ओडिशा पर कब्जा कर सकता है। बनर्जी ने इन बयानों को खारिज करते हुए इन्हें 'बेतुका' करार दिया और कहा कि ''आप बंगाल, बिहार और ओडिशा पर कब्जा करेंगे और हम बैठकर लॉलीपाप खाते रहेंगे? पश्चिम बंगाल विधानसभा को संबोधित करते हुए बनर्जी ने किसी का नाम लिए बिना सीमा के इस ओर कुछ फर्जी वीडियो प्रसारित किए जाने की निंदा की तथा एक दल विशेष पर राज्य में तनाव फैलाने का आरोप लगाया।मुख्यमंत्री ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न की निंदा करते हुए इसे अस्वीकार्य बताया तथा भारत के धार्मिक समुदायों के बीच एकता की आवश्यकता पर बल दिया।

बनर्जी ने सीमा पार से आए भड़काऊ बयानों को पूरी तरह से खारिज किया। सीमा पार बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के एक नेता ने कहा था कि बांग्लादेश का बंगाल, बिहार और ओडिशा पर दावा है। सोशल मीडिया पर वायरल एक अन्य वीडियो में बांग्लादेशी सेना के पूर्व सैनिकों को यह कहते सुना जा सकता है कि बांग्लादेश कुछ ही दिनों में पश्चिम बंगाल पर कब्जा कर सकता है।

ममता बनर्जी ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा, ''आप बंगाल, बिहार और ओडिशा पर कब्जा कर लेंगे और हम लॉलीपॉप खाते रहेंगे? ऐसा सोचना भी मत! किसी में हमारी जमीन लेने की हिम्मत नहीं है, इस बारे में सोचना भी मत!'' बनर्जी ने हाल ही में बांग्लादेश के कुछ नेताओं द्वारा दिए गए भड़काऊ बयान का मखौल उड़ाते हुए कहा, ''शांत और स्वस्थ रहें तथा मानसिक शांति रखें।'' उन्होंने भारत में स्थिति का राजनीतिकरण करने की कोशिश करने वालों को भी आगाह किया तथा कहा कि ऐसे कदमों से पश्चिम बंगाल और उसके लोगों को नुकसान होगा।

बनर्जी ने कहा, ''जो लोग इसका राजनीतिकरण करने की सोच रहे हैं, उन्हें याद रखना चाहिए कि इससे हमारे राज्य को भी नुकसान पहुंचेगा, तथा बांग्लादेश में आपके मित्रों, बहनों और भाइयों को भी।'' उन्होंने कहा, ''एक विशेष राजनीतिक दल आग भड़काने के लिए फर्जी वीडियो प्रसारित करने के लिए जिम्मेदार है। मैं सभी से ऐसी गलत सूचनाओं से दूर रहने की अपील करती हूं। हम किसी एक समूह के पक्ष में नहीं हैं, हम यहां सभी की परवाह करते हैं।'' बनर्जी ने संयम बरतने का आग्रह करते हुए कहा, ''हमें अनावश्यक रूप से ऐसे बयान नहीं देने चाहिए, जिससे यहां के हालात खराब होने की आशंका हो।''

मुख्यमंत्री ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं पर जारी उत्पीड़न की निंदा करते हुए इसे अस्वीकार्य बताया तथा भारत के धार्मिक समुदायों के बीच एकता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, ''हम बांग्लादेश में हिंदुओं पर जारी हिंसा की निंदा करते हैं। सांप्रदायिक हिंसा हिंदू, मुस्लिम, सिख या ईसाई द्वारा नहीं की जाती है; यह समाज पर बोझ बनने वाले असामाजिक तत्वों द्वारा की जाती है। हम सभी को यह याद रखना चाहिए और ऐसे बयान देने से बचना चाहिए जो पश्चिम बंगाल में शांति को नुकसान पहुंचा सकते हैं।'

जो है उसे स्वीकार करें, तो सबसे अच्छा आपके पास आएगा : राजपाल यादव

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने हास्य कलकार राजपाल यादव का कहना है कि हम अक्सर किसी अच्छे की प्रतीक्षा की जटिलता में जीते हैं, लेकिन यदि हम जो है उसे स्वीकार करें, तो सबसे अच्छा अपने आप आएगा। इस साल दिल्ली के प्रतिष्ठित सिरी फोर्ट ऑडिटोरियम में आयोजित इस फेस्टिवल में अचीवर्स टॉक्स, इन कन्वर्सेशन, मास्टर क्लासेस और पैनल डिस्कशन्स जैसे कई प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किए गए।फेस्टिवल का एक प्रमुख आकर्षण अभिनेता राजपाल यादव के साथ हुआ एक खास सत्र था। इस सत्र के दौरान, राजपाल यादव ने कला और जीवन पर अपने विचार साझा करते हुए कहा,किसी कलाकार की सीमाओं को नापा नहीं जा सकता, उन्हें अनुभव किया जाता है। पहले कला को समझो, फिर उसे रचो। कला एक जीवन जीने का तरीका है। कहानियां कभी छोटी नहीं होतीं, हम उन्हें छोटा बना देते हैं। हर स्ट्रोक, हर शब्द और हर सुर में दुनिया बदलने की ताकत होती है। राजपाल यादव ने कहा,मैं किसान का बेटा हूं, और बुढ़ापे में खेती में वापस लौटना चाहता हूं। हम अक्सर किसी अच्छे की प्रतीक्षा की जटिलता में जीते हैं, लेकिन यदि हम जो है उसे स्वीकार करें, तो सबसे अच्छा अपने आप आएगा। यह पैनल डिस्कशन, जिसे करण सिंह छाबड़ा ने मॉडरेट किया, ने विचारों और अनुभवों के आदान-प्रदान का एक मंच तैयार किया और दर्शकों को सिनेमा की जोड़ने और बदलने की क्षमता का जश्न मनाने के लिए प्रेरित किया।

कलाकार को दुनियाभर से प्यार मिलना सबसे बड़ा आशीर्वाद : आयुष्मान खुराना

मुंबई/एजेन्सी

बॉलवुड अभिनेता और गायक आयुष्मान खुराना का मानना है कि एक कलाकार को सबसे बड़ी सौगात यह होती है कि उसे दुनियाभर के लोगों से प्यार और सम्मान मिलता है। वर्ष 2024 में, आयुष्मान के गाने 184 देशों के लोगों ने सुने, और यह उपलब्धि उन्हें बेहद विनम्र और प्रेरित महसूस कराती है। आयुष्मान ने कहा,कलाकार शायद दुनिया में सबसे ज्यादा प्यार पाने वाले लोग होते हैं, क्योंकि उन्हें दुनियाभर से स्नेह मिलता है। कला सीमाओं और भाषाओं को पार कर सकती है, लोगों को जोड़ सकती है, उन्हें उनकी रोजमर्रा की जिंदगी से बाहर ले जाकर खुशियों की दुनिया में ले जाती है। एक अभिनेता होने के बावजूद, और पूरा समय संगीत में नहीं देने के बावजूद, मेरे गानों को 184 देशों तक पहुंचते देखना मेरे लिए बहुत विनम्र अनुभव है। यह मुझे आगे भी संगीत बनाने के लिए प्रेरित करता है, जब मुझे अपनी फिल्मों से समय मिलता है। मैं आभारी हूं कि मैं क्रिएटिव आर्ट्स का हिस्सा हूं, हर दिन लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने की कोशिश कर रहा हूं।

हाल ही में, आयुष्मान ने अमेरिका में अपनी म्यूजिक टूर की, जिसमें उन्होंने अपनी चार्मिंग परफॉर्मेंस से शिकागो, सैन जोस, न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और डलास में हाउसफुल शो किए। आयुष्मान हमेशा अपने दर्शकों और फैंस से जुड़ने का आनंद लेते हैं, और उनका संगीत उन्हें सबसे खास और अंतरंग तरीके से जुड़ने का मौका देता है। आयुष्मान ने कहा,मैं अपने सपनों को जी रहा हूं, एक अभिनेता, एक कवि, और एक गायक/संगीतकार के रूप में। मैं उन सभी का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने मेरे गानों को सुना, जो मेरे कंसर्ट्स में आए। आपका समर्थन मेरे लिए सबकुछ है और यह मुझे और अधिक करने के लिए प्रेरित करता है। मुझे उम्मीद है कि आप मेरे संगीत को सुनते रहेंगे।

निर्माता राकेश रोशन को मुंबई में 24वें भारतीय टेलीविजन अकादमी पुरस्कार समारोह में भाग लेने के लिए आते समय फोटो खिंचवाते हुए।

'पुष्पा 2' की स्क्रीनिंग में महिला की मौत मामले में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन लोग गिरफ्तार

मुंबई/एजेन्सी

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' की विशेष स्क्रीनिंग 4 दिसंबर को हैदराबाद के संध्या थिएटर में आयोजित की गई थी। वहीं, अचानक से फिल्म के स्टार अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना थिएटर पहुंच गए, जिससे भगदड़ मच गई और अराजकता के कारण एक महिला की जान चली गई। हालिया अपडेट में, महिला की दुखद मौत के सिलसिले में रविवार, 8 दिसंबर को तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में संध्या थिएटर के मालिक और प्रबंधक के साथ-साथ सुरक्षा प्रबंधक भी शामिल हैं। उन पर उचित सुरक्षा उपायों को लागू करने में लापरवाही का आरोप लगाया गया है। उन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। कथित तौर पर भगदड़ तब हुई जब सुपरस्टार अल्लू अर्जुन को देखने के लिए बड़ी भीड़ जमा हो गई, जिससे अपर्याप्त भीड़ नियंत्रण के कारण अराजकता फैल गई।

घटना के बाद, मृतक के परिवार ने कथित तौर पर चिक्कडपल्ली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। बीएनएस अधिनियम की धारा 3(5) के साथ पठित धारा 105 और 118(1) के तहत मामला दर्ज किया गया। सेंट्रल जोन के डीसीपी अक्षांश यादव ने कहा, 'शिकायत के अनुसार, थिएटर प्रबंधन, अभिनेता अल्लू अर्जुन और उनकी सुरक्षा टीम को आरोपी बनाया गया है।'

शादी के बाद मंदिर पहुंचे नागा चैतन्य-शोभिता धुलिपाला

मुंबई/एजेन्सी

शादी से पहले और बाद में कई अनुष्ठान और समारोह किए जाते हैं। शादी के बाद हर जोड़ा देवदर्शन के लिए जाता है ताकि शादीशुदा जिंदगी की सभी परेशानियां दूर हो जाएं और दोनों एक साथ खुशहाल जीवन की शुरुआत करें तो फिर नागा चैतन्य और शोभिता धूलिपाला कैसे पीछे रह सकते हैं। इस जोड़े ने भी देवदर्शन शुरू कर दिया है। साउथ एक्टर नागा चैतन्य और एक्ट्रेस शोभिता धूलिपाला ने हाल ही में शादी की है। उनकी शादी की कई खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी हैं। 4 दिसंबर को दोनों ने एक दूसरे से सात जन्मों तक साथ रहने का वादा किया। शादी के बाद अब इस जोड़े ने देवदर्शन शुरू कर दिया है। दोनों अपने सुखी संसार के लिए देवी-देवताओं का आशीर्वाद मांग रहे हैं।

हाल ही में देखा गया कि शोभिता और नागा चैतन्य दोनों एक साथ देवदर्शन के लिए निकले। काफी समय बाद ये दोनों एक साथ पब्लिकली नजर आए हैं। देवदर्शन के समय उनके पिता नागार्जुन भी उनके साथ मौजूद रहते हैं। यह जोड़ा अब अपने परिवार के साथ आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम पहुंच गया है। श्रीशैलम 'श्री भ्रमराम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी वराला' मंदिर में आते हैं। यहां उनके सभी परिवारों ने भगवान के दर्शन किए और दोनों के सुखी जीवन और समृद्धि के लिए प्रार्थना की।देवदर्शन के लिए जाते समय नागा चैतन्य सफेद पारंपरिक पोशाक पहनते हैं तो शोभिता ने इस बार पीले और लाल रंग की खूबसूरत साड़ी पहनी है। दोनों का यह वीडियो अब खूब वायरल हो रहा है और फैंस ने इस पर कमेंट्स और लाइक्स की बौछार कर दी है।

नागा चैतन्य और शोभिता की शादी का समारोह शाही अंदाज में हैदराबाद के अन्नपूर्णा स्टूडियो में आयोजित किया गया। दोनों की शादी में फिल्म जगत के कई कलाकार शामिल हुए। नागा चैतन्य की यह दूसरी शादी है। उन्होंने पहले अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु से शादी की थी। बाद में दोनों ने 2021 में तलाक ले लिया और अलग हो गए।

फिल्म इंडस्ट्री के मौजूदा हालातों पर आर बाल्की ने जताई चिंता

कोलकाता/एजेन्सी

प्रसिद्ध निर्देशक आर बाल्की ने फिल्म इंडस्ट्री की मौजूदा स्थिति पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि अधिकतर फिल्म निर्माताओं के मन में यह भावना गहराई से बैठी हुई है कि यह उद्योग संकट में है। कोलकाता अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के 30वें संस्करण में आयोजित 'सत्यजीत रे मेमोरियल लेक्चर' में बाल्की ने कहा कि कुछ अपवादों को छोड़कर, थिएटरों में दर्शकों की संख्या कम होती जा रही है। उन्होंने कहा, अधिकतर फिल्म निर्माताओं के मन में यह भावना है कि फिल्म इंडस्ट्री खतरे में है। हर चीज़ प्रभावित हो चुकी है, और

थिएटरों में दर्शकों की संख्या घट रही है। केवल चार से पांच फिल्में ही मुनाफा कमा रही हैं, लेकिन इससे उद्योग की स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है।

फिल्मों जैसे चीनी कम, पा और पैडमैन के निर्माता बाल्की ने कहा कि सिनेमा के बिना मेरी जिंदगी का कोई मकसद नहीं है। लेकिन जब खुद सिनेमा संघर्ष कर रहा हो, तो इसे जारी रखना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने 70 के दशक की फिल्मों जैसे शोले और 20 साल पहले बनी कुछ कुछ होता है का जिक्र करते हुए कहा कि अब ऐसी मनोरंजक फिल्में नहीं बनतीं। हालिया समय में बाहुबली को उन्होंने आखिरी ब्लॉकबस्टर बताया। बाल्की ने कहा, कई फिल्में बेहतरीन हैं लेकिन उन्हें देखा नहीं जा रहा। वहीं बहुत सारी बेकार फिल्में देखी जा रही हैं। उन्होंने इस पर भी जोर दिया कि कहानी कहने और उसे पर्दे पर उतारने में ईमानदारी होनी चाहिए, न कि केवल प्रचार पर अधिक खर्च करके दर्शकों को आकर्षित करने का प्रयास। उन्होंने कहा कि तमिल फिल्म इंडस्ट्री में फिल्मों के निर्माण बजट पर सीमा तय करने का एक नियम लागू है, जो अन्य इंडस्ट्री को भी अपनाना चाहिए।

बाल्की ने यह भी कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म और रील्स पर सामग्री की अधिकता हो गई है, जहां गुणवत्ता के मुकाबले मात्रा को प्राथमिकता दी जा रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बारे में बात करते हुए उन्होंने भविष्यवाणी की कि आने वाले चार से पांच वर्षों में एआई हर क्षेत्र में प्रभावी हो जाएगा। उन्होंने कहा, भविष्य में हमें सिनेमा को 'मैनमेड' और 'मशीनमेड' में विभाजित करना पड़ेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 10-12-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के बाबा गंगाराम सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित होने वाले बाबा गंगाराम मनोकामना पूर्ति महोत्सव की तैयारियां जोरों पर चल रही है। इस महोत्सव को लेकर रविवार को समिति के अध्यक्ष गौरीशंकर गुप्ता के निवास पर हुई तैयारी समीक्षा बैठक में अनेक सदस्यों ने भाग लिया।

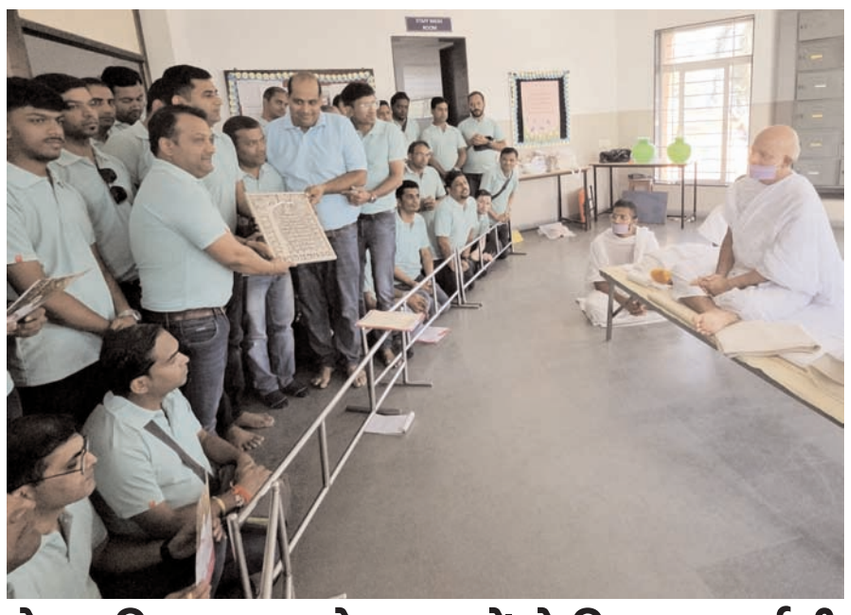

तेयुप विजयनगर के सदस्यों ने किए आचार्यश्री महाश्रमण के दर्शन, लिया आशीर्वाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के प्रेरणा से तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर के 54 सदस्यीय गुरुदर्शनार्थ संघ ने परिषद अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा के नेतृत्व में आचार्यश्री महाश्रमणजी के भरूच में दर्शन किए। युवकों ने गुरुदेव के 10 किलोमीटर से अधिक विहार में भरूच से लवारा तक विहार सेवा की। संघ सदस्यों ने गुरुदेव सहित अनेक साधु साध्वियों के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा व संयोजक राकेश पोखरणा ने गुरुदेव के समक्ष अपने विचार व्यक्त किए तथा परिषद की गतिविधियों की जानकारी दी। गुरुदेव के समक्ष संघ सहयोग प्रदाता परिवार मनोहरलाल, राकेश, मुकेश बाबेल परिवार का सम्मान किया गया। गुरु दर्शन यात्रा संघ में तेयुप प्रबंध मंडल से विकास बांठिया, अशोक मारू, पवन बैद, कमलेश दक, अमित नाहटा, पंकज कोचर, श्रेयांस गोलछा, उत्तम बागरेचा, देवांग बैद एवं अन्य सदस्यों का अथक श्रम लगा। परिषद के पूर्व अध्यक्ष राकेश दुधोड़िया, अशोक कोठारी, दिनेश मरोठी, महावीर टेबा, श्रेयांस गोलछा, परामर्शक राकेश सामसुखा, दीपक भूरा, आलोक गंग, आयाम सलाहकार मनोज बरडिया की सहभागिता रही। तेयुप मंत्री संजय भटेवरा ने गुरुदेव के समक्ष कार्यक्रम का संचालन किया।

बावनकुले ने सावरकर का चित्र हटाने की कर्नाटक सरकार की योजना की निंदा की

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चंद्रकांत बावनकुले ने कर्नाटक विधानसभा से वीडी सावरकर की तस्वीर हटाने के फैसले को लेकर सोमवार को पड़ोसी राज्य की कांग्रेस सरकार को आड़े हाथ लिया। बावनकुले ने कहा कि इतिहास उन लोगों को कभी माफ नहीं करेगा जिन्होंने देश की आजादी के लिए लंबे समय तक प्रताड़ना झेलने वाले सावरकर की विरासत का अपमान किया।

बावनकुले ने कहा कि यह सावरकर के बलिदान और उनकी विचारधारा का अपमान करने की कांग्रेस की कोशिश है। उन्होंने कहा, यह (कांग्रेस) उनकी विरासत और उनके विचारों का सीधे तौर पर अपमान करती है। बावनकुले ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे अपनी पार्टी के सहयोगी दल के इस कृत्य पर चुप रहेंगे या कुछ बोलेंगे।

उन्होंने दावा किया कि राजनीतिक फायदे के लिए हिंदुत्व को छोड़ने वाले ठाकरे ने कांग्रेस के साथ मिलकर सावरकर के विचारों का अपमान किया है। बावनकुले ने कहा कि इसलिए ठाकरे की पार्टी को 'टीपू सेना' कहा जा रहा है।

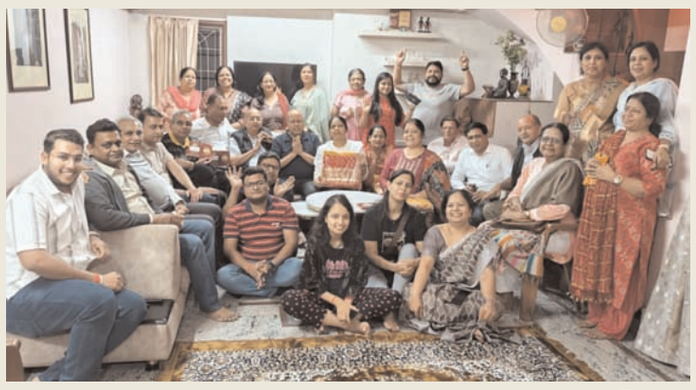

बाबा गंगाराम मनोकामना पूर्ति महोत्सव की तैयारियां जोरों पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बाबा गंगाराम सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित होने वाले बाबा गंगाराम मनोकामना पूर्ति महोत्सव की तैयारियां जोरों पर चल रही है। इस महोत्सव को लेकर रविवार को समिति के अध्यक्ष गौरीशंकर गुप्ता के निवास पर हुई तैयारी समीक्षा बैठक में अनेक सदस्यों ने भाग लिया। अध्यक्ष गौरीशंकर गुप्ता ने बताया कि 29 दिसम्बर का पैलेस ग्राउंड के प्रिन्सेस ग्रीन सभागार में दोपहर से महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

दोपहर 2 बजे से 101 जोड़ों द्वारा मनोकामना पूर्ति अभिषेक किया जाएगा जिसमें जावा फूल , बिल्व पत्र, तुलसी पत्र, मिश्री, काजू, किशमिश से झुंझुनूं वाले विष्णु अवतारी बाबा गंगाराम व भक्त शिरोमणि देवकीनंदन और माता गायत्रीजी का अभिषेक किया जाएगा। सायं 4 बजे अखंड ज्योत प्रज्वलित कर पूजा की जाएगी। महोत्सव में मुम्बई के गायक राकेश बावलिया भजनों की प्रस्तुति देंगे। सायं 6 से कोलकाता के गायक केशव मधुकर द्वारा भजनों की प्रस्तुति व बाबा गंगाराम के जीवन पर आधारित नृत्य नाटिका की प्रस्तुति होगी। इस मौके पर बाबा गंगारामजी का विशेष जन्मोत्सव मनाया जाएगा व भक्तों को बधाई बांटी जाएगी ।

महिला सदस्याओं द्वारा मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की झांकी प्रस्तुत की जाएगी। कार्यक्रम में समिति की महिला सदस्यों द्वारा राजस्थानी लिबास में प्रस्तुत की जाएगी । इस अवसर पर बाबा गंगारामजी का वार्षिक कैलेंडर व मंदिर की रज वितरित की जाएगी।

बैठक में 16 व 17 अप्रैल को झुंझनु पंचदेव मंदिर में आयोजित स्वर्ण जयंती महोत्सव की जानकारी दी गई जिसमें बड़ी संख्या में बेंगलूरु की श्रद्धालु शामिल होंगे।

आयोजकों ने बताया कि बेंगलूरु समिति गल 25 वर्ष से वार्षिक उत्सव मनाते आ रही है। इस वर्ष भी आयोजकों ने गुरुभक्तों को कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया है।

पूजा व सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के पंचमुखी गेळेयरा बळगा शिवानंदनगर मुडूलपाल्या द्वारा नगर देवता श्री अण्णाम्मा देवी का 26वां वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास से मनाया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित कर अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की ।

सभी पक्षों को सीरिया की क्षेत्रीय अखंडता के संरक्षण की दिशा में काम करने की जरूरत : भारत

नई दिल्ली/भाषा। विद्रोहियों द्वारा सीरिया में राष्ट्रपति बशर असद की सरकार को सत्ता से अपदस्थ किए जाने के एक दिन बाद भारत ने सोमवार को देश में स्थिरता लाने के लिए सीरिया की अगुवाई वाली समावेशी तथा शांतिपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया की वकालत की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह सीरिया में जारी घटनाक्रमों पर नजर रख रहा है। उसने इस बात पर जोर दिया कि सभी पक्षों को इस अरब गणराज्य की एकता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के संरक्षण के लिए काम करने की जरूरत है।

विद्रोहियों ने रविवार को राजधानी दमिश्क पर कब्जा कर लिया था और सीरिया की सरकार गिर गई। असद देश छोड़कर किसी अज्ञात ठिकाने पर चले गए हैं। इसे उनके परिवार के 50 साल के शासन का अंत कहा जा रहा है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''हम जारी घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में सीरिया के हालात पर नजर रख रहे हैं। हम सभी दलों के सीरिया की एकता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के संरक्षण के लिए काम करने की जरूरत पर जोर देते हैं।''उसने कहा, ''हम सीरियाई समाज के सभी वर्गों के हितों और आकांक्षाओं का सम्मान करते हुए सीरिया के नेतृत्व में शांतिपूर्ण एवं समावेशी राजनीतिक प्रक्रिया की वकालत करते हैं।''

विदेश मंत्रालय ने कहा कि दमिश्क में भारतीय दूतावास सीरिया में भारतीय समुदाय की सुरक्षा के लिए उनके साथ संपर्क में है। विद्रोहियों द्वारा सत्ता पर कब्जा किए जाने के कुछ घंटे बाद, रविवार को दिल्ली में आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि सीरिया में सभी भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं। कई प्रमुख देशों ने भी सीरिया में लगभग 14 साल लंबे असद शासन के पतन का स्वागत किया है, जिस दौरान पूरे सीरिया में गृह युद्ध के हालात रहे।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा, ''14 साल के संघर्ष के बाद, सीरियाई लोगों के पास आखिरकार उम्मीद की किरण है। 2011 से असद शासन द्वारा प्रामाणिक राजनीतिक प्रक्रिया में शामिल होने से इनकार करना और रूस और ईरान के क्रूर समर्थन पर निर्भरता अनिवार्य रूप से उनके पतन का कारण बनी।'' ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका एक समावेशी सीरिया नीत प्रक्रिया के माध्यम से एक जवाबदेह सीरियाई सरकार को सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण का दृढ़ता से समर्थन करता है। उन्होंने कहा, ''इस संक्रमण काल के दौरान, सीरियाई लोगों को राज्य संस्थानों के संरक्षण, प्रमुख सेवाओं की बहाली और कमजोर समुदायों की सुरक्षा की मांग करने का पूरा अधिकार है।'' फ्रांसीसी विदेश मंत्रालय ने असद शासन के पतन का स्वागत किया और कहा कि एकता का समय आ गया है।

फ्रांस ने कहा, ''फ्रांस हथियारों को रखने, लोकतांत्रिक संस्थाओं को संरक्षित करने और सीरिया की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने का आह्वान करता है।'' फ्रांस ने शांतिपूर्ण राजनीतिक परिवर्तन की भी वकालत की, जिसमें सीरियाई लोगों की विविधता का सम्मान हो और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार नागरिकों एवं सभी अल्पसंख्यकों की रक्षा हो। फ्रांस के विदेश मंत्रालय ने कहा, ''यह सभी सीरियाई लोगों से एकजुट होने, मेल-मिलाप रखने और सभी प्रकार के चरमपंथ को खारिज करने का आह्वान करता है।''

प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सोमवार को नई दिल्ली में मणिपुर में शांति बहाली की मांग करते हुए जंतर-मंतर पर इंडिया गठबंधन के सदस्यों द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन के दौरान बोलते हुए।

भेंट वार्ता

जनता दल-एस नेता निखिल कुमारस्वामी ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। ज्ञातव्य है कि निखिल कुमारस्वामी ने गत दिनों हुए विधानसभा उपचुनाव में चन्नपटना से भाजपा-जदएस के सम्मिलित उम्मीदवार के रुप में चुनाव लड़ा था।

राजस्थान में दो हजार मेगावाट के सौर ऊर्जा पार्क को मंजूरी मिली : जोशी

जयपुर/दक्षिण भारत। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोमवार को कहा कि राजस्थान में दो हजार मेगावाट के सौर पार्क को मंजूरी दे दी गई है। जोशी यहां 'राइजिंग राजस्थान' निवेश सम्मेलन में 'सतत ऊर्जा पर आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ते कदम' विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित कर रहे थे। आधिकारिक बयान के अनुसार, जोशी ने कहा कि राजस्थान में केंद्रीय सहभागिता के साथ राजस्थान सोलर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के लिए दो हजार मेगावाट क्षमता का नया सौर पार्क स्थापित करने की मंजूरी दे दी गई है। इस सौर पार्क में केंद्र की 30 प्रतिशत भागीदारी रहेगी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सतत प्रयासों से यह परियोजना राजस्थान की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। जोशी ने कहा कि राजस्थान में ऊर्जा क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों से भारतीय अर्थव्यवस्था में अंतरराष्ट्रीय निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ है। आज पूरा विश्व भारत की तरफ आशा भरी निगाहों से देख रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्ष 2032 तक देश की ऊर्जा मांग दोगुनी हो जाएगी। ऐसे में केंद्र सरकार नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने में जुटी है। वर्ष 2030 तक गैर जीवाश्म आधारित स्रोतों से 500 गीगावाट ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य की प्राप्ति में राजस्थान बड़ी भूमिका निभाएगा। सत्र में मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि हम चाहते हैं कि राजस्थान न केवल ऊर्जा में आत्मनिर्भर बने बल्कि अधिशेष वाला राज्य भी बने। उन्होंने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में केंद्रीय उपक्रमों के साथ लगभग चार लाख करोड़ रुपये के करार (एमओयू) किए गए हैं। इनमें से लगभग एक लाख 70 हजार करोड़ रुपये के एमओयू के क्रियान्वयन के लिए संयुक्त उद्यम की स्थापना को मंत्रिमंडल से स्वीकृति भी दी जा चुकी है। हमारा प्रयास अगले चार साल में राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता को 30 से बढ़ाकर 125 गीगावाट करने का है।

अस्पताल दौरा

कर्नाटक के प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने सोमवार को बेलगावी जिला अस्पताल का दौरा करते हुए स्थिति की जानकारी ली। इस मौके पर भाजपा अध्यक्ष के साथ विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवड़ी नारायणस्वामी, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सीएन अश्वत्थनारायण, पूर्व मंत्री शशिकला जोला, विधान परिषद सदस्य हेमलता नायक, पूर्व विधायक संजय पाटिल व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

अमेरिका के न्यू जर्सी में बुद्ध की विशाल प्रतिमा बनी अंतर-धार्मिक आस्था का केंद्र

फ्रैंकलिन टाउनशिप/एपी। न्यू जर्सी के फ्रैंकलिन टाउनशिप में करीब दशक भर पहले निर्मित महात्मा बुद्ध की 30 फुट ऊंची प्रतिमा अंतर-धार्मिक आस्था का केंद्र बन गई है। प्रतिमा का निर्माण बुद्ध धर्म के थेरवाद संप्रदाय के एक श्रीलंकाई बौद्ध भिक्षु के नेतृत्व में किया गया था। थेरवाद, बौद्ध धर्म का सबसे पुराना स्वरूप है।

वर्तमान में, न्यू जर्सी बौद्ध विहार और ध्यान केन्द्र में स्थित यह प्रतिमा अंतर-धार्मिक प्रयासों का केन्द्र तथा बौद्ध धर्मावलम्बियों, हिन्दुओं और ईसाइयों के लिए एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक स्थल बन गया है जो न्यू जर्सी की विविधता को प्रतिबिंबित करता है।

इन बौद्ध धर्मावलम्बियों में से एक प्रिंसटन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हैं जो कोरियाई ईसाई चर्च में पले-बढ़े हैं और तिब्बती बौद्ध धर्म का पालन करते हैं। स्थानीय नेपाली समुदाय के भी एक नेता हैं जो अंतर-धार्मिक समारोहों का आयोजन करते हैं और परिसर में एक शांति उद्यान की देखभाल करते हैं। साथ ही एक ऐसी महिला भी है जो वर्षों तक प्रतिमा के पास रहने के बाद बौद्ध धर्मावलम्बी बन गई। प्रिंसटन में अध्यापन करने वाले और 2015 से बुद्ध प्रतिमा के सामने ध्यान कर रहे डैनियल चोई ने कहा, ''ऐसा लगता है कि यह एक ऐसा स्थान है जहां बहुत सारे लोग एक-दूसरे से जुड़ते हैं।''

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com